04 - क्या पेपर लीक माफिया को दंड मिलेगा?

05 - कौन होना चाहिए आरक्षण का सही अधिकारी

A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 22 जून, 2026

06 - 93 वर्ष की उम्र में भी योग का उजाला

07 - योग शरीर को स्वस्थ रखने की कला है इसे दिनचर्या में...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 290, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

शिंदे का 'ऑपरेशन टाइगर' दो मोर्चों पर लड़ाई है...

पूर्वा चिटणीस

अपने 60वें स्थापना दिवस पर शिवसेना चार साल से भी कम समय में दूसरी बार टूट की कगार पर खड़ी है। अगर यह दूसरी टूट होती है, तो इससे उद्धव ठाकरे के राजनीतिक भविष्य पर सवाल खड़े हो जाएंगे और जून 2022 में पहली टूट कराने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बड़ा राजनीतिक फायदा मिलेगा। इससे न केवल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में बल्कि राज्य की राजनीति में भी शिंदे की स्थिति मजबूत होगी।

विश्लेषकों का मानना है कि शिवसेना (यूबीटी) में होने वाली इस संभावित टूट की वजह उद्धव की नेतृत्व शैली, आदित्य ठाकरे की मुंबई से बाहर सीमित पहुंच और कांग्रेस व भाजपा के बीच पार्टी की कभी नरम तो कभी सख्त रुख अपनाने की रणनीति है। दूसरी ओर, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ शिंदे की नजदीकी और राज्य की राजनीति में बढ़ता कद उनकी पार्टी को स्थानीय नेताओं के लिए ज्यादा उम्मीद वाली पसंद बना रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक संजय पाटिल ने कहा, कि इसके बाद राज्य और केंद्र दोनों जगह एकनाथ शिंदे की राजनीतिक ताकत और मोलभाव करने की क्षमता बढ़ जाएगी। वहीं उद्धव ठाकरे के लिए यह बहुत मुश्किल स्थिति है। खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, जहां सेना (यूबीटी) को मुंबई के बाहर ज्यादा सफलता नहीं मिली। इसलिए संगठनात्मक स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल पहले से ही नीचे है। '

राजनीतिक विश्लेषक जयदेव डोले ने कहा कि शिंदे एक मजबूत मराठा नेता के रूप में भी उभर सकते हैं और अब शिवसेना (यूबीटी) की वापसी मुश्किल दिखाई देती है। जब शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को व्हिप जारी कर अपने सांसदों की बैठक बुलाई, तो उसमें केवल 1 राज्यसभा सांसद और 3 लोकसभा सांसद ही पहुंचे। बाकी 6 लोकसभा सांसदों की गैरमौजूदगी ने लगभग यह साफ कर दिया कि वे शिंदे की शिवसेना के साथ जाने वाले हैं।

हालांकि, शिवसेना नेताओं ने बताया कि इस संबंध में एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपा गया है और इन 6 सांसदों को शामिल करने की प्रक्रिया अभी रुकी हुई है। कुछ तकनीकी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जानी हैं और उसके बाद इन्हें शामिल किया जाएगा।

अगर यह विलय हो जाता है, तो शिंदे की शिवसेना महाराष्ट्र से 13 सांसदों के साथ सत्तारूढ़ महायुति की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। इसके बाद भाजपा के 9 सांसद होंगे। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि इससे हमें अपनी पार्टी का विस्तार करने में मदद मिलेगी। जिसका फायदा हमें 2029 के चुनावों में भी मिलेगा।'

पिछले डेढ़ साल से शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, सेना (यूबीटी) के सांसदों से संपर्क साधने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेता इसे शिंदे का 'ऑपरेशन टाइगर' कहते हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस में हुई टूट के बाद इस अभियान ने तेजी पकड़ ली। सांसद म्हस्के ने कहा कि हमें पता था कि उनके नेता उद्धव ठाकरे से खुश नहीं थे। हम सभी शिंदे के नेतृत्व पर विश्वास करते हैं और उन पर भरोसा रखते हैं। लेकिन संजय पाटिल के अनुसार, यह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान का एक और कदम है। उनका कहना है कि अधिक सांसदों के साथ शिंदे की महायुति के भीतर मोलभाव करने की ताकत और बढ़ जाएगी। यह लड़ाई उद्धव ठाकरे से ज्यादा एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच है। टीएमसी के बागी नेताओं के एनडीए में आने के बाद शिंदे के लिए एनडीए के भीतर अपनी अहमियत बनाए रखना जरूरी हो गया था। यह राज्य में राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। यह राज्य भाजपा के लिए अच्छा संकेत नहीं है।'

लेकिन एकनाथ शिंदे के लिए सबसे बड़ा फायदा यह है कि ग्रामीण महाराष्ट्र, खासकर मराठवाड़ा में उनकी पार्टी का प्रभाव बढ़ रहा है, जहां अविभाजित शिवसेना की परंपरागत रूप से मजबूत पकड़ रही है। मराठवाड़ा की राजनीति पर करीबी नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक जयदेव डोले ने कहा, 'अजित पवार के बाद शिंदे राज्य में सबसे बड़ा मराठा चेहरा हैं। सहकारी क्षेत्र के हितों की रक्षा करने वाला कोई दूसरा बड़ा नेता नहीं है और भाजपा को ओबीसी वर्ग की ओर झुकाव रखने वाली पार्टी माना जाता है। इसी वजह से मराठा नेता भी शिंदे के पीछे एकजुट हो रहे हैं।'

मातोश्री के करीबी एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि करीब एक साल पहले जब उद्धव ठाकरे इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली आए थे, तब यही सेना (यूबीटी) के सांसद उनके साथ तस्वीर खिंचवाने तक में हिचकिचा रहे थे। लेकिन निजी तौर पर अपनी वफादारी जताते थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस चुनौतीपूर्ण और बदलते माहौल में पार्टी कार्यकर्ता भी अपने भविष्य के बारे में सोचने लगेंगे, क्योंकि संगठन को मजबूत बनाने की ज़रूरत है और ठाकरे परिवार इसमें सफल नहीं रहा है। हालांकि, सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, 'इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हम पहले भी ऐसे कई विद्रोह देख चुके हैं और पार्टी का काम खुद को फिर से खड़ा करना होता है। हम यह करेंगे।'

ठाकरे परिवार पर लगने वाले आरोपों में से एक यह भी है कि उन्होंने पहली टूट के बाद पार्टी को दोबारा मजबूत करने के लिए जनता और कार्यकर्ताओं से पर्याप्त फीडबैक नहीं लिया। डोले ने कहा कि 2022 में शुरुआती महीनों के दौरान आदित्य ठाकरे ने राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी, लेकिन उसके बाद वे भी शांत हो गए। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) के नेता इससे असहमत हैं। सेना (यूबीटी) छोड़ने वाले नेताओं की एक और दलील यह है कि पार्टी की वैचारिक स्थिति को लेकर स्पष्टता की कमी है। कार्यकर्ता इस बात को लेकर उलझन में थे कि ठाकरे हिंदुत्व के साथ हैं या धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ। हालांकि, उद्धव ठाकरे कई बार कह चुके हैं कि उनकी पार्टी का हिंदुत्व भाजपा के हिंदुत्व से अलग है और उनकी पार्टी धर्म की परवाह किए बिना देश के साथ खड़े हर व्यक्ति का स्वागत करती है।

लेकिन 2024 में देवेंद्र फडणवीस के दोबारा मुख्यमंत्री बनने के बाद, गढ़चिरौली में उनके काम की शिवसेना (यूबीटी) द्वारा प्रशंसा, पार्टी विधायक मिलिंद नार्वेकर के फडणवीस और बाद में डीजीपी रश्मि शुक्ला को बधाई देने वाले पोस्ट, तथा आदित्य ठाकरे का फडणवीस के करीबी सहयोगी मोहित कंबोज की बेटी के जन्मदिन पर जाना-इन सबने कई सवाल खड़े कर दिए। राउत ने कहा, 'यह सब भाजपा नेतृत्व के आशीर्वाद से हो रहा है। हमारा हिंदुत्व स्पष्ट है। जिस दिन हमारी पार्टी फिर से भाजपा के साथ जाएगी, मैं राजनीति छोड़ दूंगा।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

विश्व को भारत का अमूल्य उपहार है योग : राष्ट्रपति

- स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और योग बने जीवन का धन : राज्यपाल पटेल
- विश्व कल्याण का आधार है योग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव
- योगमय हुआ मध्यप्रदेश, 5000 साधकों ने किया योगाभ्यास

भोपाल/जबलपुर (नप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हम भारत की उस महान योग परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता के लिये स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग प्रदान किया है। योग विश्व को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। आज भारतभूमि से स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और आत्मकल्याण का संदेश विश्व में प्रसारित किया जा रहा है। योग स्वस्थ आयु के लिए थीम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रदेश में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी के कोलकाता से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा व सुना। कार्यक्रम की शुरूआत व अंत में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान किया गया।

योगाभ्यास में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, श्री सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, श्री नीरज सिंह, श्री संतोष बरकड़े, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मध्यप्रदेश तीर्थ क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, श्री रत्नेश सोनकर, श्री राजकुमार पटेल, श्री अखिलेश जैन, श्रीमती अश्विनी परांजपे, संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा लगभग 5 हजार योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की।

योग, संतुलित, सरल और आनंदमयी जीवन की है पद्धति : राज्यपाल

राज्यपाल पटेल ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि यह संपूर्ण जीवन को संतुलित, सरल और आनंदमयी बनाने की पद्धति है। योग ही स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और योग बने जीवन का धन है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने स्वस्थ जीवन का जो मार्ग दिखाया था, आज पूरी दुनिया उसे अपना रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारतीय योग को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदृष्टि और अटूट प्रतिबद्धता से ही योग को पूरी दुनिया में अपनाया गया है।

योग, वैश्विक शांति के लिए एकमात्र उपाय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनियाभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम -योग फॉर हेल्दी एजिंग है। योग दिवस वैश्विक शांति और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर यह सुखद संयोग बना है, इस वर्ष राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी कोलकाता से किया गया। दुनिया के करीब 2500 स्थानों पर योगाभ्यास किया, 210 से अधिक दूतावासों ने भी सामूहिक योग में भागीदारी की। भारत ने योग के रूप में दुनिया को मानव कल्याण का उपहार सौंपा है। योग का अर्थ है जोड़ना, भारत ने अपने ज्ञान-विवेक और विचार से सदैव सभी को एक-दूसरे से जोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा, हमारी आध्यात्मिक चेतना और समृद्ध सनातन संस्कृति का वैश्विक पटल पर परिचय कराया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जब वर्ष 2015 में विश्व योग दिवस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सभा में रखा तो 175 से ज्यादा देशों ने इसका ऐतिहासिक समर्थन किया था। इस वर्ष सामूहिक योग सत्रों में करीब 30 से 35 करोड़ लोग शामिल हो रहे हैं। मध्यप्रदेश के कोने-कोने को योग से जोड़ने के लिए हर घर योग अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया है।

देश ने दिया विश्व को वसुधैव-कुटुम्बकम का संदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदि देव शंकर और आष्टांग योग के प्रणेता महर्षि पतंजलि को नमन करते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संस्कारधानी जबलपुर में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ने सदैव संसार को एक परिवार के रूप में देखा है। हमने कभी भौगोलिक सीमाओं तक अपनी सोच को सीमित नहीं किया है, अपितु विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम का अमर संदेश दिया , हमारे ऋषियों ने सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयः की कामना की।

योग, आंतरिक शांति और सामूहिक कल्याण के लिये करता है प्रेरित

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को जीवन की सफलता का आधार माना गया है। योग उसी संतुलन को स्थापित करने का मार्ग है। 'योग' शब्द का अर्थ है जोड़ना- व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से और सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व चेतना से जोड़ना। योग एक सशक्त माध्यम है, जो हमें आंतरिक शांति, संतुलन और सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ाता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

योग में लोगों, समाजों और देशों को जोड़ने की अद्भुत शक्ति

पीएम बोले-30 के मुकाबले 50 की उम्र में ज्यादा ऊर्जावान बनें

योग हम सभी को जोड़ता है और हमें एक साथ लाता है:5 आसन किए

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड से 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का नेतृत्व किया। इस दौरान पीएम मोदी ने योग को सक्रिय वृद्धावस्था और बेहतर जीवन स्तर के लिए एक अनिवार्य मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि कहा कि पृथ्वी पर सबसे लंबा दिन अब योग के कारण विश्व का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन गया है। पीएम मोदी ने देशवासियों और वैश्विक समुदाय से आह्वान किया कि वे योग को किसी एक दिन तक सीमित न रखकर अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं, ताकि उम्र कभी भी इंसानी क्षमता और लचीलेपन को कम न कर सके।

योग लोगों को एक साथ लाता है

21 जून, जो पृथ्वी पर सबसे लंबे दिन का प्रतीक है, अब योग के कारण सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव दिवस बन गया है। योग लोगों को एक साथ लाता है। मैं इस अवसर पर विश्व के लोगों को बधाई देता हूं। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है। यह किसी भी आयु वर्ग तक सीमित नहीं है।

सुप्रभात

फूलों का बाज़ार
लिए बैठा हूँ
खुशबुओं का हार
लिए बैठा हूँ

अब ग़म नहीं कोई
दुनिया का
साथ अपने यार
लिए बैठा हूँ

भले जंग लगे इन
तलवारों पर
मैं तो अपनी धार
लिए बैठा हूँ

रहूँ नि :शब्द मैं तो
क्या हुआ
अर्थ का विस्तार
लिए बैठा हूँ

हकलाता हूँ, फिर भी
कहता हूँ
मैं अपनी सरकार
लिए बैठा हूँ।

– अरुण सातले

भरत तिवारी एनकाउंटर केस की होगी न्यायिक जांच

- सीएम सम्राट ने दिए आदेश; एनकाउंटर या मर्डर हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे जांच

आरा (एजेंसी)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में अखबारों में छपी खबर का बड़ा असर हुआ है। सीएम सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की जांच हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच का उद्देश्य घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ जांच सुनिश्चित करना है। इस एनकाउंटर के बाद अखबार भरत तिवारी की मौत के जिम्मेदार 4 चेहरों को सामने लाया था। इसके बाद हमने एनकाउंटर को लेकर पुलिस के 5 दावों की हकीकत भी बतलाई थी। हम प्रमुखता से इसे उठाते आए। अब सरकार को न्यायिक जांच के आदेश देने पड़े हैं। एनकाउंटर मामले में पुलिस ने अलग-अलग 2 एफआईआर दर्ज की है।

पहली एफआईआर अवैध हथियार रखने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, पुलिस पर फायरिंग करने और आरोपी को संरक्षण देने के आरोप में दर्ज की गई है। इसमें भरत के पिता और भाई को आरोपी बनाया गया है। दूसरी एफआईआर पुलिस मुठभेड़ से संबंधित है। इधर, मुठभेड़ में मारे गए भरत भूषण तिवारी की मां आशा देवी ने भी आरोपी पुलिसकर्मी पर भी केस दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने जगदीशपुर और शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया है। वहीं, पटना हाईकोर्ट के एडवोकेट रजनीश कुमार ने इसे फर्जी मुठभेड़ बताया है।

भरत पुलिस को लगातार चुनौती दे रहा था

प्राथमिकी के अनुसार, कई बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी देने के बावजूद भरत फायरिंग करता रहा। एक हाथ में मोबाइल और दूसरे हाथ में पिस्टल लेकर वह लगातार पुलिस को चुनौती देता रहा। पुलिस का यह भी दावा है कि एक बार उसने पिस्टल फेंक दी थी, लेकिन जब एक जवान हथियार उठाने आगे बढ़ा तो उसने दोबारा पिस्टल उठाकर पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद आत्मरक्षा में एक जवान ने कमर के नीचे वार किया।

घटनास्थल से पिस्टल, खोखा, कारतूस बरामद

प्राथमिकी में घटनास्थल से दो खोखा, एक देसी पिस्टल, एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद होने का उल्लेख किया गया है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ के दौरान भरत भूषण ने 10 से 12 राउंड और पुलिस ने आत्मरक्षा में पांच राउंड फायरिंग की। साथ ही यह भी कहा गया है कि भरत भूषण वर्ष 2025 में दर्ज एससी-एसटी एक्ट और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने से जुड़े एक मामले में आरोपी रह चुका था।

योग दिवस पर भारतीय नौसेना का अनूठा प्रदर्शन

पानी के अंदर योग मुद्राएं कर दिखाई अनुशासन-एकाग्रता की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। तीनों भारतीय सेनाओं ने भी योग कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन भारतीय नौसेना विशाखापत्तनम में योग का एक अनोखा प्रदर्शन किया। आईएनएस सतवाहन में शनिवार को एक अनूठे अंडरवॉटर योग (पानी के भीतर योग) सत्र का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में यूनिट के 40 कर्मियों ने भाग लिया और पानी की सतह के नीचे कई योगासन कर अपनी एकाग्रता, श्वास नियंत्रण, सहनशक्ति और मानसिक संतुलन का शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय नौसेना के अनुसार, इस कार्यक्रम का संचालन नौसेना के ही योग विशेषज्ञों ने किया और इसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कमांडर आरुष शर्मा ने किया। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना की स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता तथा फिटनेस के क्षेत्र में नवाचार को अपनाने के संकल्प का प्रतीक बना।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 22 जून 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

गाजा में इजरायली हमले में पत्रकार समेत 6 की मौत

● आईडीएफ ने कहा- हमास का था स्नाइपर,कार्रवाई जारी

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में शनिवार को इजरायली हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। इनमें कतरी न्यूज चैनल अलजजीरा का एक कैमरामैन अहमद विशाह और दो बच्चे शामिल हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन मौतों की पुष्टि की है। अलजजीरा ने कहा कि वह अपने संवाददाता को निशाना बनाने और उनकी हत्या

करने के घिनौने अपराध की निंदा करता है। अहमद विशाल की मौत शनिवार को मध्य गाजा के एक घर पर हमले में हुई थी। इजरायली रक्षा बल ने विशाल की मौत की पुष्टि की है लेकिन कहा है कि वह हमास की मिलिट्री विंग का एक आतंकवादी था, जो स्नाइपर के तौर पर काम करता था। हमास संचालित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम के बावजूद 1000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

सीएम योगी सौंपेंगे 568 पीएम आवासों की चाबी

● फिरोजाबाद में 650 करोड़ के कार्यों का करेंगे लोकार्पण

फिरोजाबाद (एजेंसी)। टूंडला के गांव उसायनी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के 568 आवासों की चाबी सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ सोमवार को सुबह 11.15 बजे लाभार्थियों को सौंपेंगे। इस दौरान वह 650 करोड़ से अधिक के कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। उनके आगमन को लेकर हेलीपैड के साथ ही पंडाल बनाने का काम देर शाम तक चलता रहा। डीएम ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। केंद्र सरकार ने शहरी बेघर लोगों के लिए मार्च-2019 पीएम शहरी आवास योजना का शुभारंभ किया था। इसके तहत फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण (विप्रा) ने उसायनी के निकट आवासीय कॉलोनी बनाई गई है। काम पूरा होने के बाद भी लोकार्पण न होने से लाभार्थियों को अब तक कब्जा मिलने की कार्रवाई नहीं हो सकी है। इस मामले में विप्रा उपाध्यक्ष की ओर शासन को निरंतर पत्राचार किए जा रहे थे।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत 10 दिनों में 2 करोड़ 90 लाख रूपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में गांजा, एमडी ड्रग्स, स्मैक (हेरोइन), ब्राउन शुगर, डोडाचूरा तथा प्रतिबंधित कफ सिरप के अवैध उत्पादन, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय में संलिप्त तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तकनीकी, खुफिया एवं मैदानी स्तर पर समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुई हैं। इसी क्रम में विगत 10 दिनों में पुलिस ने विभिन्न जिलों में कार्रवाही में लगभग 2 करोड़ 90 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

भोपाल- क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 170 किलो 90 ग्राम गांजा, 396 एल्यूमिनियम सिल्लियां तथा तस्करी में प्रयुक्त एक आइशर ट्रक सहित लगभग 1 करोड़ 33 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मंदसौर- पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रकरणों में 607 किलोग्राम डोडाचूरा, 600 ग्राम एमडी ड्रग्स तथा तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 66 लाख 30 हजार रुपए की संपत्ति जब्त कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सतना- पुलिस ने गोदाम में छापामार कार्रवाई कर 260 किलोग्राम गांजा एवं 7200 सीसी ऑनरेक्स कफ सिरप सहित लगभग 28 लाख रुपये है।

उमरिया- पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए वाहन, नकदी एवं अन्य सामग्री सहित लगभग 15 लाख 11 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की है। साथ ही चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

भारतीय नौसेना को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत

● आईएनएस दूनागिरी ब्रह्मोस से है लैस ● आईएनएस संशोधक लगातार 12000 किमी तक चल सकता है

कोलकाता (एजेंसी)। तीन स्वदेशी वॉरशिप्स आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और एंटी-सबमरीन आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश में ही डिजाइन और बनाया गया है। आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइल्स से लैस है। वहीं, आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है। कमीशनिंग से पहले नौसेना ने एक वीडियो में डुनागिरी को दिखाया है।

सिर्फ खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता भारत

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, आज भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ खरीददार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी ताकत की परिभाषा दुनिया का बाजार बनने में नहीं है। हमारी शक्ति की परिभाषा मेरी आत्मनिर्भरता में निहित है।

देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता

पीएम मोदी ने रक्षा में आत्मनिर्भरता के लिए भारत के जोर को रेखांकित करते हुए कहा कि देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता है और इसकी सशस्त्र सेना दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती है। उन्होंने कहा, ये तीन जहाज भारत के तीन महत्वपूर्ण संकल्पों का भी प्रतीक हैं। इनका निर्माण भारत में हुआ, भारत में डिजाइन हुआ। ये भारतीय उद्योगों की प्रतिभा, भारतीय इंजीनियरों के कौशल और भारतीय श्रमिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं और यही नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज दुनिया का अधिकांश व्यापार समुद्री मार्गों से ही होता है। दुनिया को जोड़ने वाले डेटा के विशाल नेटवर्क नीचे से गुजरते हैं।

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में गैस रिसाव

● 7 लोगों की हो गई मौत, 65 से ज्यादा घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड एक्सपोर्ट फैक्ट्री में अमोनिया गैस का

रिसाव हो गया। रिपोर्ट के अनुसार हादसे में 7 महिला कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 67 घायल हैं। घायलों में भी 9 वेंटिलेटर पर हैं। गैस रिसाव की घटना सेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स यूनिट में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही अरक्कोनम स्थित सीआईएसएफ की चौथी बटालियन मुख्यालय से 30 सदस्यों वाली सीआईएसएफ की टीम को मौके पर भेजा गया। हालात के मद्देनजर सीआईएसएफ टीम गैस डिटेक्शन डिवाइस, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं परमाणु आपदा से निपटने वाले विशेष उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। 9 मरीजों को चैन्नई रेफर किया गया जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल में भेजा है।

विजयदत्त श्रीधर को डी.लिट. की मानद उपाधि

जबलपुर। पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास को संजोने और उसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की एकनिष्ठ साधना में संलग्न देश के वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,जबलपुर द्वारा डी लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। विजयदत्त श्रीधर को डी.लिट. की मानद उपाधि के लिए चुना जाना वस्तुतः उनकी चार दशक से अधिक की सतत साधना का सम्मान है। उल्लेखनीय है कि विजयदत्त श्रीधर को माधवराव सप्रे

स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की स्थापना तथा पत्रकारिता इतिहास के प्रामाणिक शोध एवं प्रलेखन के लिए वर्ष 2012 में राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने पद्मश्री अलंकरण से विभूषित किया था। इसके अलावा भी उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल की शोध परियोजना 'स्वतंत्र भारत में भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता' के निदेशक के रूप में पाँच वर्ष की अवधि में 75 शोध कार्यों का संयोजन, संपादन और प्रकाशन किया। आपके ग्रंथ 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' (तीन भाग) को पहले आधार ग्रंथ के रूप में अकादमिक जगत और भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता में असाधारण मान्यता और सराहना मिली है।

श्री विजयदत्त श्रीधर के कृतित्व पर दो पीएच.डी. हो चुकी हैं।

चुनाव आयोग की भूमिका पर फिर सवाल, कांग्रेस ने घेरा

सिर्फ चुनाव कराना काफी नहीं, मतदाता को मिले सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में दिए गए %फुटपाथ पर चलने के अधिकार% को मौलिक अधिकार घोषित किए जाने के फैसले का उदाहरण देते हुए यह तर्क दिया है कि अब मतदान के अधिकार को भी यह दर्जा मिलना चाहिए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि शुक्रवार, 19 जून 2026 को सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली पीठ ने फुटपाथ पर चलने के अधिकार को भारत के संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार घोषित किया। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों तथा जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर एक सलाहकार समिति का गठन किया था।

सात दशकों से विषय पर बहस जारी

उन्होंने आगे लिखा कि पिछले सात दशकों में इस बात पर लगातार बहस होती रही है कि मतदान का अधिकार, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा प्रदत्त एक वैधानिक अधिकार है या फिर यह एक स्पष्ट मौलिक अधिकार है। इस संबंध में अलग-अलग मत व्यक्त किए गए हैं। हाल ही में, मार्च 2023 में दिए गए अनुप बरनवाल बनाम भारत संघ के फैसले में जस्टिस अजय रस्तोगी ने अपने असहमति वाले मत में कहा था कि मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।

मौलिक अधिकार को बनाने पर हुई चर्चा

राज्यसभा सांसद ने आगे लिखा कि 21-22 अप्रैल, 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने के प्रश्न पर जीवंत चर्चा हुई। डॉ. आंबेडकर और जगजीवन राम ने इसके पक्ष में जोरदार तर्क दिए। वहीं, सरदार पटेल, सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य सदस्यों का मत था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने को लेकर अनिच्छुक हो सकती हैं। उनका मानना था कि संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान कर देना ही पर्याप्त होगा। स्वयं सरदार पटेल का मत था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक निहित मौलिक अधिकार है।

60 साल बाद मुस्लिम लीग ने डीएमके से तोड़ा नाता

● विजय की जीत के बाद बदले हालात, बदल लिया रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन नाता तोड़ लिया है। इसके साथ ही 60 साल से चले आ रहे राजनीतिक गठबंधन का अंत हो गया। मुस्लिम लीग ने राज्य के मुख्यमंत्री विजय की तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ अपनी नई साझेदारी भरोसा जताया है। पार्टी नेताओं ने शनिवार को चेन्नई में आयोजित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग राज्य आम परिषद की बैठक में यह बात कही। इससे एक बात साफ है कि तमिलनाडु में मुख्यमंत्री विजय की टीवीके पार्टी के उदय ने कई

पार्टियों को अपनी रणनीति और गठबंधन की योजनाओं में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया। अल्पसंख्यक, जो आमतौर पर डीएमके का साथ देते हैं। उन्होंने इस बार टीवीके को वोट दिया, जो आईयूएमएल के पार्टी छोड़ने के कारणों में से एक है। चेन्नई में आयोजित पार्टी की राज्य आम परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में पारित प्रस्तावों में से एक में कहा गया कि पार्टी ने 2026 के विधानसभा चुनावों में जनता द्वारा दिए गए जनादेश का सम्मान करते हुए तमिलगा वेट्री कज़गम सरकार के गठन का समर्थन किया था। इसमें यह भी कहा गया कि आईयूएमएल मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस परिवार ने किया सामूहिक योगाभ्यास

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज धृति कल्याण शाखा, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 25वीं वाहिनी के हॉल में योग कार्यक्रम एवं धृति 23वीं वाहिनी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस परिवार के सदस्यों में स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, सकारात्मक जीवनशैली तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा मकवाणा के साथ श्रीमती प्रियंवदा सक्सेना, श्रीमती अनुपमा कुमार, श्रीमती टिंग रॉय, श्रीमती भारती प्रसाद तथा श्रीमती गीता गोस्वामी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर पुलिस लाइन नेहरू नगर, 23वीं वाहिनी विसबल, 25वीं वाहिनी विसबल, 7वीं वाहिनी

विसबल भोपाल तथा झूला घर पुलिस मुख्यालय भोपाल से जुड़े पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

योग कार्यक्रम के दौरान सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया तथा महिलाओं एवं बच्चियों द्वारा योग आधारित विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली, आत्मानुशासन एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

योग कार्यक्रम के उपरांत धृति 23वीं वाहिनी परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण का संदेश देते हुए सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

संपूर्ण कार्यक्रम सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कल्याण) श्रीमती इरमीन शाह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

देर से पहुंचे छात्रों को नहीं मिला प्रवेश

● नीट री एग्जाम में सख्त नियम,चप्पे-चप्पे पर रही नजर ● कई जगह कलावा-इयररिंग्स उतरवाई,चेन-बटन निकाले ● राजस्थान में हिजाब पहनी छात्रा की एंट्री रोकी, विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम संपन्न हो गया है। देशभर के 551 शहरों और विदेश के 14 शहरों में बने 5,440 केंद्रों पर 22.79 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा दी है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक चली। छात्रों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक एग्जाम सेंटरों में एंट्री दी गई। एडमिट कार्ड और पहचान पत्र की जांच के बाद स्टूडेंट्स की तलाशी ली गई। राजस्थान के अजमेर में एक सेंटर पर हिजाब पहन कर आई एक छात्रा को एंट्री नहीं दी गई। काफी बहसबाजी के बाद उसे अंदर भेजा गया। उदयपुर में एक कैंडिडेट की नोज पिन नहीं निकली तो नाक पर टेप चिपकाया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल में छात्रों के हाथ से कलावा काटकर हटाए गए। यूपी में लड़कियों के कान से इयररिंग्स उतरवाए गए। इधर, हैदराबाद में 19 साल की एक नीट छात्रा ने आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह उसके अपार्टमेंट में फंदे से लटका शव मिला। पुलिस को आशंका है कि उसने री-एग्जाम के दबाव में यह कदम उठाया। छात्रा ने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।

एयरफोर्स ने पेपर पहुंचाए

इस साल 3 मई को नीट यूजी की परीक्षा हुई थी लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को एनटीए ने इसे रद्द कर दिया। अब एजेंसी री-एग्जाम करा रही है। एनटीए के मुताबिक, री-एग्जाम में पूरे देश के एग्जाम सेंटरों पर 2 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी, 674 सिटी कोऑर्डिनेटर और 6,669 ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। पेपर लीक रोकने के लिए पहली बार भारतीय वायुसेना के विमान और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है। एयरफोर्स ने 200 से ज्यादा उड़ानें भरकर नीट के क्वेश्चन पेपर देशभर के अलग-अलग जोन तक पहुंचाए हैं। एनटीए के मुताबिक, 95 हजार से ज्यादा एग्जाम सेंटरों में सीसी टीवी निगरानी की व्यवस्था की गई है।

पंजाब के निहंगों ने उत्तराखंड में गुरुद्वारे पर किया कब्जा

एसपी समझाने पहुंचीं तो धमकी दी

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली स्थित कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद शनिवार देर शाम रुद्रप्रयाग के नगरासू स्थित गुरुद्वारे में पंजाब से आए निहंगों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने दो लोगों को बंधक भी बनाया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर निहंगों ने एक व्यक्ति को छोड़ दिया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा। निहंगों ने चेतावनी दी है कि गुरुद्वारे में घुसने वाले को काट देंगे। रविवार सुबह रुद्रप्रयाग के डीएम विशाल मिश्रा निहंगों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने बाचचीत से इनकार कर दिया। इससे पहले एसपी निहारिका तोमर ने दो दौर की बातचीत कर उन्हें समझाने

का प्रयास किया, लेकिन बाचचीत विफल रही। गुरुद्वारे के सेवादारों ने बताया कि इस दौरान निहंगों ने एसपी निहारिका तोमर को धमकी दी। सेवादारों के मुताबिक, प्रशासन ने निहंगों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन उन्होंने नीचे आने से इनकार कर दिया। उन्होंने एसपी से कहा कि ऊपर आया तो उसे काट देंगे।

मप्र में मानसून 6 दिन लेट, भोपाल-रायसेन में बारिश

सड़कों पर 2 फीट पानी भरा, शाजापुर में कम बारिश, 37 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून तय समय से 6 दिन पीछे चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 25 जून तक मानसून दस्तक दे सकता है। इस बीच भोपाल के कोलार समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चलीं। रायसेन में बारिश में बच्चे ने जमकर मस्ती की। सड़कों पर 2 फीट पानी भर गया। शाजापुर जिले में बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बुवाई रुकी हुई है। किसान खेतों में काम शुरू करने के लिए मानसून का इंतजार कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ. डी.के. तिवारी ने कहा कि किसान कम से कम 4 इंच बारिश के बाद ही बुवाई शुरू करें। जल्दबाजी में बोनी न करें।

मौसम विभाग ने इंदौर, ग्वालियर समेत 37 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ और अलीराजपुर शामिल हैं।
वहीं राजधानी भोपाल सहित विदिशा, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, आगर-मालवा, उज्जैन, रतलाम, नीमच और मंदसौर में मौसम सामान्य बारिश का अनुमान है।

उज्जैन में 2.4 इंच, भोपाल में 1.3 इंच बारिश

इससे पहले शनिवार को प्रदेश में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। उज्जैन में तेज बारिश हुई। यहां शाम तक 2.4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। भोपाल में 1.3 इंच पानी गिरा। इंदौर, ग्वालियर, श्योपुर, सीहोर और धार के पीथमपुर में तेज बारिश हुई।आंधी-बारिश की वजह से दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है। धार में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री, शिवपुरी में 34 डिग्री, पचमढ़ी में 35.4 डिग्री, शाजापुर-राजगढ़ में 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 33.4 डिग्री, इंदौर में 35.2 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 35 डिग्री और जबलपुर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

शहर के प्रसिद्ध नेफ्रोलॉजिस्ट के इकलौता बेटे ने पीया जहर

इलाज के दौरान दम तोड़ा, नौकरी छूटने से था दुखी; 6 महीने पहले दूसरे बेटे का पिता बना

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्रसिद्ध नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. एमएल बंजारा के इकलौते बेटे सौरभ बंजारा की जहर पीने से मौत हो गई। 41 वर्षीय सौरभ ने 10 जून को शराब के साथ जहरीला पदार्थ पी लिया था। हालत बिगड़ने पर परिवार ने उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान रविवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सौरभ रातीबढ़ थाना क्षेत्र की पूजा कॉलोनी में परिवार के साथ रहता था। वह एमबीए कर चुका था और एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। करीब तीन महीने पहले नौकरी छूटने के बाद से वह तनाव में चल रहा था। घटना वाले दिन सौरभ को उल्टियां करते देख परिजनों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

दस साल पहले हुई थी अरेंज मैरिज

सौरभ की शादी करीब 10 साल पहले हुई थी। उसके दो बेटे हैं, जिनमें एक की उम्र 7 साल और दूसरे की उम्र 6 महीने है। उसके पिता डॉ. एमएल बंजारा कमला नेहरू अस्पताल में पदस्थ रह चुके हैं और नेफ्रोलॉजिस्ट हैं।

पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा- रविवार को पोस्टमॉर्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रातीबढ़ पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में नौकरी जाने के बाद तनाव की बात सामने आई है।

पुलिस बोली सभी एंगल पर जांच जारी- जांच अधिकारी एएसआई केके द्विवेदी ने बताया कि शुरूआती जांच में नौकरी छूटने से युवक द्वारा डिप्रेशन में होने की बात सामने आई है। युवक ने शराब में पाइजन को मिलाकर पिया था, इस बात की जानकारी उसके पिता ने दी। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। लिहाजा सभी एंगल पर जांच की जा रही है।

फोटो : प्रवीण वाजपेई

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

मप्र में जगह-जगह हुए सामूहिक योग

● जबलपुर में राष्ट्रपति, राज्यपाल और सीएम ने किया योग ● भोपाल में बोट क्लब, कुशाभाऊ ठाकरे सेंटर समेत कई जगह हुआ योग
● इंदौर में 3 मिनट से ज्यादा भ्रामरी प्राणायाम का रिकॉर्ड, राजगढ़ में मंत्री की तबीयत बिगड़ी

भोपाल, जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मध्य प्रदेश में जगह-जगह सामूहिक योग किए गए। जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने योग किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे। वहीं भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सेंटर, बोट क्लब समेत शहर में कई जगहों योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। राजधानी भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की विशेष व्यवस्थाएं कीं।

इंदौर ने योग दिवस पर नया रिकॉर्ड बनाया। शहर में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों ने 3 मिनट से अधिक समय तक लगातार भ्रामरी प्राणायाम किया। आयोजकों के अनुसार यह सामूहिक सहभागिता और योग के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन ने लोगों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया।

राजगढ़ के स्टेडियम ग्राउंड में योग दिवस कार्यक्रम के दौरान टाइफाइड से पीड़ित मंत्री नारायण सिंह पंवार की तबीयत बिगड़ गई। कमजोरी महसूस होने पर स्टाफ ने उन्हें सहारा देकर मंच के पीछे बैठाया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद तेज हवा से आधा टेंट गिर गया।

फोटो :प्रवीण वाजपेई

● **राजगढ़ में योग कार्यक्रम के दौरान मंत्री की तबीयत बिगड़ी, सहारा देकर उठाया-** राजगढ़ के स्टेडियम ग्राउंड में योग दिवस कार्यक्रम के दौरान टाइफाइड से पीड़ित मंत्री नारायण सिंह पंवार की तबीयत बिगड़ गई। कमजोरी महसूस होने पर स्टाफ ने उन्हें सहारा देकर मंच के पीछे बैठाया।

● **अशोकनगर में जिला स्तरीय योग के वीडियो देखिए-** अशोक नगर के स्वामी विवेकानंद स्कूल में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुंगावली विधायक बृजेंद्र सिंह यादव, कलेक्टर साकेत मालवीय सहित अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

● **खरगोन में 600 से अधिक लोगों ने किया योग-** खरगोन की अनाज मंडी परिसर में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर भव्या मित्तल, एसपी रवींद्र वर्मा सहित स्कूली बच्चों और नागरिकों ने भाग लिया। 600 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया और प्रधानमंत्री का संदेश सुना।

● **उमरिया में जैव विविधता केंद्र पर हुआ योग, दोनों विधायक नहीं हुए शामिल-** उमरिया में योग दिवस का मुख्य आयोजन ताला स्थित जैव विविधता केंद्र में हुआ। दोनों विधायकों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही, लेकिन उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

● **सीहोर में राजस्व मंत्री ने किया योग-** सीहोर के आवासीय खेलकूद संस्थान में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जनसमुदाय के साथ योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, कलेक्टर बालागुरु के., एसपी सोनाक्षी सक्सेना सहित अधिकारी, छात्र-छात्राएं और नागरिक शामिल हुए। मंत्री वर्मा ने कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का सशक्त माध्यम है तथा स्वस्थ जीवन के लिए इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

● **धार, कुक्षी और बाग में सामूहिक योग, 300 लोग हुए शामिल-** धार जिले की कुक्षी कृषि उपज मंडी में करीब 300 लोगों ने योग किया। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन भी देखा गया।
भाजपा नेता, अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थियों ने योगासन व प्राणायाम किए। वहीं बाग के अंबेडकर भवन में भी योग हुआ, जिसमें योग शिक्षकों ने विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया और योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया।

युवा तेजी से अपना रहे योग : डॉ. अंतिम नलवाया

भोपाल के टीटी नगर में आयोजित योग कार्यक्रम में जिला आयुष अधिकारी डॉ. अंतिम नलवाया ने कहा कि युवा वर्ग भी तेजी से योग को अपना रहा है। लोग अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल कर स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली की ओर बढ़ रहे हैं।

गर्लफ्रेंड से शादी से पहले बॉयफ्रेंड, मां-मामा की मौत

युवती को भगाकर ले जा रहे थे, बस से भिड़ी कार, तड़प-तड़पकर गई तीनों की जान

दमोह (नप्र)। दमोह-जबलपुर हाईवे पर बस और कार की टक्कर हो गई। हादसे में बॉयफ्रेंड, उसकी मां और मामा की मौत हो गई, जबकि गर्लफ्रेंड और ड्राइवर घायल हैं। युवक का परिवार युवती को कटनी से भगाकर सागर ले जा था, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। हादसा जबेरा के पुरेनहाऊ गांव के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के रूप में की गई है, जबकि रीना साहू और कार ड्राइवर राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक का परिवार सागर जिले के शाहगढ़ क्षेत्र का रहने वाला था।

सोशल मीडिया से हुई थी दोस्ती- पुलिस जांच में सामने आया कि कटनी निवासी 20 वर्षीय रीना साहू और सागर जिले के शाहगढ़ निवासी अखिलेश प्रजापति के बीच सोशल मीडिया के जरिए परिचय हुआ था। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। यह रिश्ता प्रेम प्रसंग में बदल गया। दोनों ने साथ जीवन बिताने का फैसला किया।

लड़की को लेने कटनी पहुंचा था युवक- पुलिस के अनुसार अखिलेश प्रजापति अपनी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के साथ किराए की कार से कटनी पहुंचा था। योजना थी कि रीना को साथ लेकर वापस लौटेंगे और शादी करेंगे। रीना उनके साथ कार में बैठ गई। कार में शादी की एक चुनरी भी रखी हुई थी। दोनों शादी के इरादे से निकले थे।

जल्दबाजी और घबराहट हादसे की वजह बनी- लड़की को साथ लेकर लौटते समय कार काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। पुलिस का मानना है कि पकड़े जाने का डर या जल्दी पहुंचने की हड़बड़ी के कारण ड्राइवर ने रफ्तार कम नहीं की। दमोह-जबलपुर हाईवे पर जबेरा थाना क्षेत्र के पुरेनहाऊ गांव के पास सामने से आ रही एक बस से कार की सीधी भिड़ंत हो गई।

कुछ ही सेकेंड में उजड़ गई तीन जिंदगियां- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में बैठे अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में रीना साहू और कार चालक राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया।

बिना टिकट यात्रा पर अब 500 रुपए जुर्माना

रेलवे ने नियमों में किया संशोधन, महिला कोच में घुसने पर लगेगा 2500 रुपए तक का दंड

ग्वालियर (नप्र)। यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भारतीय रेलवे ने नियमों में बदलाव किए हैं। रेलवे बोर्ड के नए प्रावधानों के अनुसार अब बिना टिकट यात्रा करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर पहले से ज्यादा सख्ती की जाएगी। रेलवे ने वर्ष 2013 के बाद पहली बार जुर्माने की राशि में संशोधन किया है। नए नियम के तहत बिना टिकट या गलत टिकट के साथ यात्रा करते पकड़े जाने पर यात्री को किराए के अतिरिक्त न्यूनतम 500 रुपए का जुर्माना देना होगा। पहले यह राशि 250 रुपए थी।

दूसरे के नाम के टिकट पर यात्रा करने पर कार्रवाई- रेलवे ने टिकट के गलत इस्तेमाल पर भी सख्ती बढ़ाई है। यदि कोई यात्री किसी दूसरे व्यक्ति के नाम से बुक टिकट पर सफर करता पाया जाता है तो उसका टिकट मौके पर ही रद्द किया जा सकता है। साथ ही संबंधित यात्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने महिला कोच के नियम और कड़े किए हैं।
महिला कोच में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले पुरुष यात्रियों पर 2500 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में गंदगी फैलाने, नशे की हालत में हंगामा करने या अशोभनीय व्यवहार करने वालों पर 2000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

अवैध फेरी और भीख मांगने पर भी सख्ती- रेलवे ने ट्रेनों और स्टेशन परिसर में बिना अनुमति सामान बेचने, फेरी लगाने और भीख मांगने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई के प्रावधान सख्त किए हैं। ऐसे मामलों में 2000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि आरोपी जुर्माना जमा नहीं करता है तो नियमों के तहत तीन महीने से लेकर एक वर्ष तक की जेल की सजा का प्रावधान भी रखा गया है।

कांग्रेस नेताओं और किसानों ने शिवराज का काफिला रोका

आओ गले लगो, विरोध कर रहे कांग्रेसियों के सामने शिवराज ने रोकी गाड़ी, जनसभा में अधिकारियों पर भड़के

सीहोर/नीमच (नप्र)। सीहोर में रविवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला कांग्रेस नेताओं और किसानों ने रोक लिया। उन्होंने कहा- भले ही हम कांग्रेस पार्टी से हैं, लेकिन आप हमारे प्रतिनिधि हैं। इस पर शिवराज ने जवाब दिया- मैं जनता का प्रतिनिधि हूं तो सबका प्रतिनिधि हूं। आपका भी प्रतिनिधि हूं। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने शिवराज से कहा- पिछले 15 दिन से किसान खाद और दूसरे कृषि संबंधी कामों के लिए परेशान हैं। डिजिटल पोर्टल का सर्वर डाउन होने के कारण किसानों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। उन्होंने किसानों की समस्याओं का ज्ञापन भी केंद्रीय मंत्री को सौंपा। इस पर शिवराज ने कहा कि जल्द सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

दरअसल, शिवराज रविवार को जनकल्याण शिविर में शामिल होने इछावर के आजाद मैदान जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कांग्रेस नेताओं ने उनका काफिला रोक लिया। उधर, नीमच में जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा को जनता के आक्रोश के चलते कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर जाना पड़ा। इस दौरान तीखी बहस और सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई।

● **कुछ अफसरों को जनता के काम रोकने में ही मजा आता है-** कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद शिवराज आजाद चौक पहुंचे। यहां जनकल्याण शिविर में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा- कुछ अफसरों को जनता के काम रोकने में ही मजा आता है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि पॉजीटिव माइंडसेट रखें। सकारात्मक सोच के साथ काम करें और सरकार की मंशा पर कोई पलीता न लगाएं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा- मुझे शिकायतें मिली हैं कि पात्र लोगों के नाम भी किसी न किसी बहाने से योजनाओं से काटे जा रहे हैं। अब ऐसा बिल्कुल नहीं चलेगा। एक-एक आवेदन की ठीक से जांच होगी और किसी भी गरीब का हक नहीं मारा जाएगा।

ग्वालियर में शादी समारोह से लौटते ही नवदंपत्ति ने दी जान, घर के अंदर मिले टूटे हुए मोबाइल

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के हस्तिनापुर गांव से एक बेहद दिलदहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक नवदंपत्ति ने घर के भीतर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह दुखद घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब एक दिन पहले ही दोनों एक शादी समारोह से वापस लौटे थे। पुलिस को शुरुआती जांच में मौके से टूटे हुए मोबाइल फोन और जमीन पर बिखरा हुआ खाना मिला है, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि आत्मघाती कदम उठाने से पहले दोनों के बीच काफी गंभीर झगड़ा हुआ था। मृतकों की पहचान विनोद प्रजापति और उनकी पत्नी लक्ष्मी के रूप में हुई है, जिनकी शादी अप्रैल 2025 में हुई थी।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं- जानकारी के मुताबिक, विनोद कुछ दिन पहले अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ उसकी ससुराल भिंड में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने गया था। वहां से दोनों बेहद खुश नजर आ रहे थे।

पुलिस जांच में टूटे मोबाइल बने अहम सुराग- हस्तिनापुर थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट्म के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल पर मिले टूटे हुए मोबाइल फोन इस पूरी मिस्ट्री को सुलझाने में सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से इन टूटे हुए फोनों के डेटा और कॉल रिकॉर्ड्स को रिकवर करने की कोशिश कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि विवाद की मुख्य वजह क्या थी। दोनों के परिवारों में इस घटना के बाद से कोहराम मचा हुआ है और पुलिस रिश्तेदारों से भी पूछताछ कर रही है।

संपादकीय

भारत की घटती विदेशी मुद्रा

उधर ईरान अमेरिका के बीच शांति समझौता अभी भी हिचकोले खा रहा है, इधर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट जारी है। साथ में सोने का भंडार भी घटता जा रहा है। इसका मुख्य कारण विदेशी निवेशकों का मुंह फेरना हमारा घटता निर्यात तथा बढ़ता आयात है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह गंभीर चेतावनी है। हालांकि भारत का एफसीए बढ़ा है। रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जून को समाप्त हुए सप्ताह में 9.985 अरब डॉलर घटकर 671.625 अरब डॉलर रह गया। इसकी बड़ी वजह सोने के भंडार में तेज़ गिरावट रही। इससे पहले पिछले सप्ताह कुल विदेशी मुद्रा भंडार 71.1 करोड़ डॉलर से घटकर 681.610 अरब डॉलर पर आ गया था। 12 जून को ख़त्म हुए सप्ताह में फॉरन करेंसी एसेट्स यानी एफ़सीए, जो कुल रिज़र्व का सबसे बड़ा हिस्सा है, 84.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 544.290 अरब डॉलर हो गया।

जबकि सोने का भंडार 10.754 अरब डॉलर घटकर 103.821 अरब डॉलर का रह गया है। आरबीआई के मुताबिक, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स यानी एसडीआर 6.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.699 अरब डॉलर रह गए। इसका असर आईएमएफ में भारत की रिजर्व पोजीशन भी 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.815 अरब डॉलर पर आ गई। घटते विदेशी मुद्रा को थामने के लिए हाल में सरकार ने कई कदम उठाए हैं, लेकिन उसका कुछ खास असर होता नहीं दिख रहा है। मसलन विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करने के लिए ही पिछले महीने मोदी सरकार ने सोने और चांदी के आयात पर शुल्क बढ़ा दिया था। भारत ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। वहीं प्लैटिनम पर शुल्क 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत कर दिया था। इस क़दम का लक्ष्य विदेशी मुद्रा की बचत करना और कच्चे तेल, उर्वरक के साथ महत्वपूर्ण तकनीकों जैसे ज़रूरी आयात को प्राथमिकता देना था। ख़ासकर ऐसे समय में जब वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट्स में भारी अस्थिरता बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तब चेतावनी दी थी कि मध्य-पूर्व संकट भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा रहा है। कच्चे तेल का बड़ा आयातक होने के कारण भारत ऊंची तेल और गैस क़ीमतों से प्रभावित होता है। रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के पूर्व डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा था कि भारत को मज़बूत स्थिति में आने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को कम से कम एक ट्रिलियन डॉलर करने की ज़रूरत है। अभी भारत के पास 690 अरब डॉलर फॉरेक्स हैं। यानी एक ट्रिलियन डॉलर से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अभी 310 अरब डॉलर कम है। पात्रा के अनुसार एक ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य दो अहम सुरक्षा कवचों पर आधारित है। 'इनमें लगभग 350 अरब डॉलर एक वर्ष के भीतर चुकाए जाने वाले सभी विदेशी कर्ज़ों को कवर करने के लिए और बाक़ी 650 अरब डॉलर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के संभावित बड़े पैमाने पर पूंजी निकासी से सुरक्षा के लिए ज़रूरी हैं। 'ऐसा इसलिए है क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की निकासी बड़े पैमाने पर और कई सालों तक जारी रहने वाली प्रक्रिया हो सकती है। 2022-23 के बाद भारत ने इस मुश्किल को झेला भी है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस तरह की सुरक्षा के लिए लगभग 600 अरब डॉलर से 650 अरब डॉलर की ज़रूरत पड़ सकती है।'' गौरतलब है कि भारत, चीन या जापान जैसे देश वस्तुओं का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित करते हैं और फिर विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाते हैं। अमेरिकी डॉलर पूरी दुनिया में स्वीकार्य है, इसलिए अमेरिका को बड़े विदेशी मुद्रा भंडार बनाने की वैसी ज़रूरत नहीं पड़ती।

क्या पेपर लीक माफिया को दंड मिलेगा?

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

देश में नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र लगातार यह दूसरी वर्ष लीक हुए हैं। पिछले वर्ष भी लाखों परीक्षा देने वाले छात्रों की चीख पुकार हुई थी और देश के मीडिया में कई दिनों तक पेपर लीक के समाचार छाये रहे। एक कमेटी भी जांच के लिये बनाई गई थी, जिसके मुखिया इसरो के पुराने चौयरमेन थे याने वे एक सुशिक्षित वैज्ञानिक थे। यह कमेटी भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनाई गई थी। उम्मीद थी कि इस कमेटी की रपट के आधार पर भारत सरकार और नीट परीक्षाओं को कराने वाली एजेंसियां कुछ सुधार करेगी परंतु कोई सुधार नहीं हुआ। यहां तक कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी 25 मई को सुनवाई करते हुये निराशा व्यक्त की और कहा कि एनटीए और नीट ने पिछली गलती से कुछ नहीं सीखा। हालांकि मेरा अनुभव सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों के बारे में कुछ सुखद नहीं है। क्योंकि कोर्ट की टिप्पणियां तो आ जाती और मीडिया में छा जाती है, पर उनके बारे में कोर्ट खुद भी गंभीर नहीं रहता, तथा बोलता आदेश शीर्ष अदालतें जारी नहीं करती हैं। वे केवल उपदेश जैसे होते हैं जिनका प्रभाव अल्पकालिक और रात के सोने के पहले तक होता है। ऐसे जन महत्व की याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय लंबी-लंबी मार्ग दर्शिकायें अपने फैसले में देता है परंतु उनके क्रियान्वयन के लिये कौन सी ऐजेंसी जिम्मेवारी होगी, सरकार या उच्च अधिकारियों की क्या जिम्मेवारी होगी और क्रियान्वयन नहीं करने के लिये जिम्मेवार लोगों पर क्या कार्यवाही होगी, यह सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पत्रों में नहीं होता। आज तक अपनी स्थापना के बाद से सर्वोच्च न्यायालय ने इतने निर्देश जारी किये हैं यदि उन्हें संकलित किया जाए तो सैकड़ों पेज की पुस्तक बन सकती है। मेरी जानकारी में नहीं है कि अपने निर्देशों के उल्लंघन के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने किसी जिम्मेवार को दंडित किया हो। अगर बहुत हुआ तो राज्यों के मुख्य सचिवों या केंद्र के सचिवों को व्यक्तिगत तौर पर तलब किया जाता है। वे आते हैं, अपनी सफाई देते हैं व खेद व्यक्त कर चले जाते हैं। अब तो स्थिति यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश तो दूर उनके निर्णयों को भी आमजन गंभीरता से नहीं लेते हैं और टिप्पणियों पर तो मजाक करते ही हैं। न्यायपालिका की गिरती हुई साख भी गंभीर चिंता का विषय है।

एनटीए और अन्य परीक्षायें कराने वाली एजेंसियां अब केवल व्यापारिक और मुनाफे की संस्थायें बन गई और परिक्षायें कराना एक अच्छा मुनाफे का धंधा हो गया। मीडिया की कुछ खबरों के अनुसार इस साल की नीट की परीक्षा में जो 22 लाख बच्चे बैठे थे, उनसे लगभग 2000 करोड़ की परीक्षा की फीस प्राप्त हुई और मीडिया के एक हिस्से के मोटे अनुमान के अनुसार लगभग 500 करोड़ का मुनाफा एनटीए ने कमाया है। जिन 22 लाख बच्चों को दोबारा परीक्षा देना पड़ेगी उनकी मानसिक पीड़ा की कल्पना करना कठिन है। इन छात्रों के लिये यह परीक्षायें जीवन मरण का प्रश्न होती है। माह-दर-माह सालों वह अपने निजी जीवन को भूलकर परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। अपने सुंदर भविष्य के लिये देख रहे, सपनों को क्रियान्वित करने के लिये, अपनी जी-जान लगा देते हैं। पर जब पेपर लीक होते है तथा इसके कारण परीक्षायें दोबारा होती हैं तो वह कितने आँसू बहाते हैं, यह महसूस करने का विषय है। मैंने सोचा था कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अपने रविवारीय मन की बात के कार्यक्रम में देश के 1 करोड़ छात्रों की पीड़ा पर कुछ कहेंगे। जैसे परीक्षाओं के पूर्व वह मन की बात में परीक्षा से भयभीत न हों, आदि-आदि उपदेश देते रहे, परंतु उनकी ही सरकार के कार्यकाल में हुए इस कुकृत्य के बारे में तथा 17 छात्रों की आत्महत्या के बारे में उनकी जवान से एक शब्द भी नहीं निकला। जबकि देश के मीडिया में, देश के शिक्षामंत्री और पेपर लीक कांड की मुखिया एक महिला के कार्यक्रमों में साथ-साथ हिस्सेदारी करते हँसते-मुस्कुराते फोटो एक दिन नहीं बल्कि अनेक दिनों तक छाये रहे। देश तो यह उम्मीद कर रहा था कि शिक्षा मंत्री के साथ में पेपर लीक माफिया के सरगना की फोटो छपने के बाद प्रधानमंत्री शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करेंगे, जिम्मेवार ठहरायेंगे और यहां तक कि कुछ वरिष्ठजन यह उम्मीद कर रहे थे कि इतनी बड़ी घटना जिसने देश के 1 करोड़ से अधिक बच्चों को प्रभावित किया है, उनके 5 करोड़ परिजनों को आर्थिक तकलीफ और दुख के समुद्र में डुबोया है, शायद प्रधानमंत्री स्वतः भी अपनी जवाबदारी प्रधानमंत्री होने के नाते मानेंगे और त्याग पत्र दे या न दें परंतु कम से कम त्याग पत्र देने का नाटक जरूर करेंगे।

अक्सर देखने में आता है कि प्रधानमंत्री जी बड़ी-बड़ी गंभीर घटनाओं की जिम्मेवादी नहीं लेते हैं और न किसी मंत्री को जिम्मेवार ठहराते हैं बल्कि वे चुप रहकर इन गंभीर मुददों को पीछे कर देते हैं। आपरेशन सिंदूर के समय देश की एक वीरांगना शाफिया कुरैशी ने जिस साहस के साथ पाकिस्तानी फौज के ऊपर हमला किया वह अद्वितीय था परंतु इस महान वीरांगना के विरुद्ध प्रधानमंत्री जी की पार्टी के मप्र सूबे के एक मंत्री ने एक घटिया टिप्पणी की और सांप्रदायिक नजरिया फैलाया। सारे देश के मीडिया में इस घटना की प्रतिक्रिया हुई, मंत्री के खिलाफदेश में प्रतिक्रिया हुई, यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी मंत्री के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया परंतु लगभग 8 माह तक एफआईआर तो दूर मंत्री को हटाने की कोई कार्यवाही नहीं हुई। दिखाने के लिये एक दो मंत्री मंडल की बैठकों में वह नहीं गये थे, ऐसा दिखावा किया गया कि जैसे वे हटने वाले हों और समय निकला बात गई। मंत्री जी यथावत विराजमान हैं, सुप्रीम कोर्ट चालू है। प्रधानमंत्री जी के थोकमंद उपदेश चालू है और मंत्री जी जहाँ के तहाँ हैं। ऐसी घटनायें अन्य विभागों को लेकर भी हुई हैं। रेल मंत्रालय में बड़ी-बड़ी दुर्घटनायें हो गई, बड़ी संख्या में लोग दुर्घटनाओं में मौत के शिकार हुए परंतु प्रधानमंत्री जी के मन की बात में एक शब्द नहीं निकला और कुछ दिनों के बाद जब मीडिया छापते-छापते थक गया तो मामला दृष्टि ओझल हो गया।

यह पेपर लीक कांड की घटना अकेले नीट परीक्षाओं की नहीं है बल्कि देश के कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के मामले में भी यही हो रहा है। सीबीएससी की परीक्षा जिसमें लाखों छात्र बैठते हैं उसका भी यही हाल हो रहा है। बल्कि यह पहली बार नहीं बल्कि कई सालों से हो रहा है। इस वर्ष जब सीबीएससी की परीक्षा के बारे में आरोप आये तब सीबीएससी ने कापियों के पुर्नजांच के अवसर देने को कहा और कुल परीक्षाथियों में से 7 प्रतिशत ने पुर्नजांच की मांग की। इसका मतलब है कि जो परीक्षा का मूल्यांकन हुआ वह त्रुटिपूर्ण है। सीबीएससी ने पुर्न मूल्यांकन के लिये छात्रों को उनके उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापी दी परंतु कितना हास्यास्पद है कि अनेक छात्रों ने जिन्होंने पुर्न मूल्यांकन के लिये आवेदन दिया था उन्होंने लिखकर दिया है कि इन कापियों की लिखाई उनकी नहीं है। याने एक और नया आपराधिक रैकेट और आरोप सामने आया है। यह भी पहली बार हुआ है कि सीबीएससी में बैठे हर चौथे विद्यार्थी याने ग्यारह लाख इक्तीस हजार कापियों में से 4 लाख छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिका की कापी मांगी। इसका मतलब साफ है कि छात्र उत्तर पुस्तिका के बारे में कहीं न कहीं सीबीएससी की परीक्षा प्रणाली से संतुष्ट नहीं हैं। 12वीं के छात्रों ने भी आरोप लगाया है कि आनलाइन मार्किंग सिस्टम में गड़बड़ी है। गड़बड़ी कितनी है यह तो भविष्य बतायेगा परंतु इतना तो तय है कि आज हर सरकारी परीक्षाओं के छात्र अपनी परीक्षा पद्धति से आशंकित हैं और उस पर शक करते हैं।

जो छात्र नीट की परीक्षा में बैठते हैं वे इस परीक्षा की तैयारी के लिये भारी पैसा खर्च करके आते हैं। सरकारी कॉलेजों की फीस तो औसतन 10 हजार से लेकर लाखों रुपये तक की होती है परंतु अधिकांश बच्चे प्राईवेट संस्थानों में कोचिंग करते हैं। वे 5 वर्षों में 1-1 करोड़ तक खर्च करते हैं और पेपर लीक करने वाले 20-20 लाख लेकर पेपर लीक करते हैं और करोड़ों रुपया कमा लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले समय बनाई गई कमेटी ने जो सुझाव दिये थे, वे महत्वपूर्ण थे तथा यूपीएससी परीक्षाओं के पैर्टन पर थे। यह महत्वपूर्ण है कि, यूपीएससी परीक्षाओं में भी विशेषतः प्रिलिम्स में लाखों बच्चे बैठते हैं परंतु कम से कम अभी तक पेपर लीक या परीक्षा को लेकर केाई शिकायत नहीं आई। यूपीएससी बिलाइंड कोडिंग करती है और जिससे परीक्षक को उम्मीदवार के बारे में कुछ पता नहीं होता। डिजीटिलाईजेशन वाले कामों को लगभग आईसोलेट रखा जाता है और प्रश्न पत्र बनाने की प्रक्रिया भी अलग प्रकार की होती है।

पेपर लीक करने वालों के विरुद्ध पिछले वर्षों में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। हत्यारा कानूनी सिस्टम कितना कमजोर और भ्रष्ट है यह राजस्थान के घोषित पेपर लीक माफिया श्री जगदीश विश्नोई के प्रकरण से जाना जा सकता है। 2010 में उनके विरुद्ध पेपर लीक का आरोप बना था। अदालत में मुकदमा चला, पर वह हर साल पेपर लीक करता रहा परंतु एक भी मुकदमे की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ी। नकल माफिया आराम से जमानत पर छूटते रहे। इससे बड़ा मजाक क्या होगा कि पुलिस के डीएसपी, एएसपी और यहां तक कि जयपुर में पदस्थ एसपी तक को समन या वारंट तामील नहीं हो सका। स्वतः पुलिस के सिपाही ने कोर्ट को लिखकर दे दिया कि यह अधिकारी नहीं मिल रहे, क्या इससे हास्यास्पद बात और कुछ हो सकती है? क्या डीएसपी रेंक के अधिकारी जो अभी भी नौकरी में हैं वह न मिल पायें। कितना भ्रष्टाचार हमारे न्यायिक सिस्टम में है। यह इस घटना से समझा जा सकता है। अभी भी नीट परीक्षा पेपर लीक के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद कुछ कार्यवाही हुई है। वह क्या आगे चल पायेगी? क्या अपराध सिद्ध हो सकेंगे? क्या पेपर लीक माफियाओं को दंड मिल सकेगा, यह सब संदिग्ध है। इसलिये कि जब देश के प्रधानमंत्री किसी को जिम्मेवार नहीं मानते, अपने मंत्री तक को जिम्मेवार नहीं मानते, तो नीचे के तंत्र के लिये तो यह स्पष्ट संकेत हैं।

यह भी चर्चा है कि पेपर लीक कराने वाली प्रमुख माफिया जो महाराष्ट्र की है, उनका संबंध संघ परिवार से है और इसी भाईचारे के कारण शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान उनके कार्यक्रम में शामिल हुये थे तथा संघ के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही करना यह इस सरकार को संभव नहीं है।

अंत में बस यही है कि छात्रों और उनके अभिभावकों से मैं बस कहना चाहूँगा कि अब न्यायपालिका और सरकार के भरोसे मत बैठो। अपने बच्चों के भविष्य को बचाने के लिये स्वतरू आगे आओ। दुनिया के बड़े-बड़े विश्वविद्यालय केम्ब्रिज, आक्सफोर्ड आदि-आदि में आज तक पेपर लीक कांड की घटना नहीं हुई। भारत किसी अन्य क्षेत्र में विश्व गुरु बन सकता है, यह मैं नहीं जानता परंतु पेपर लीक के मामले में विश्वगुरु बन सकता है। प्रधानमंत्री जी इस विषय के विश्वनेता बन सकते हैं। अगर जरा सी नैतिकता प्रधानमंत्री जी में हो तो उन्हें शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करना चाहिये।

दूरदर्शी मोदीजी व कर्मठ सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में बढ़ता मध्यप्रदेश

समान नागरिक संहिता

सुरेश पचौरी

(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

भारत की राजनीति में विकास अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुशासन की कसौटी बन चुका है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी केन्द्रीय योजनाओं और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन ने प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। आज मध्यप्रदेश विकास, सुशासन, नवाचार और जनभागीदारी का ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

मध्यप्रदेश की उपलब्धियां केवल सरकारी रिपोर्टों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यहां के करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की सशक्त कहानी भी हैं। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश अनेक केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत 82 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचना ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन का उदाहरण है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत 4 करोड़ 46 लाख से अधिक कार्ड वितरित कर और 71 लाख से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराकर प्रदेश ने स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पीएम स्वनिधि और पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना जैसी योजनाओं ने महिलाओं, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया आधार प्रदान किया है। किसान क्रेडिट कार्ड 6 लाख 50 हजार पशुपालकों को उपलब्ध हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 52 लाख महिलाओं को लाभ मिला जो देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है।

कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर: मध्यप्रदेश की पहचान कृषि प्रधान राज्य के रूप में रही है, लेकिन आज यह कृषि नवाचार और उत्पादन क्षमता के कारण राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका में दिखाई देता है। प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन व गेहूं उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि दलहन एवं तिलहन उत्पादन में प्रथम स्थान पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मक्का उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य होने के साथ-साथ गेहूं, चना, उड़द और मसूर उत्पादन में भी मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रकरण स्वीकृत कर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'एग्री स्टैक' परियोजना के तहत एक करोड़ से अधिक यूनिक फार्मर आईडी बनाकर मध्यप्रदेश भारत सरकार से शत-प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का

एकमात्र राज्य बना है। यह उपलब्धि डिजिटल कृषि क्रांति की दिशा में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की गंभीरता को दर्शाती है।

इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। जैसे मत्स्य पालन और पशुपालन के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश लगातार नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने का प्रभावी प्रयास है।

डिजिटल गवर्नेंस और सुशासन का मॉडल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। देश का पहला साइबर पंजीयन कार्यालय और सभी 55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था लागू करना सुशासन की दिशा में क्रांतिकारी पहल मानी जा रही है। भारत नेट योजना के अंतर्गत 20,422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाकर प्रदेश ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश आज डिजिटल प्रशासन और तकनीक आधारित सेवा वितरण में अग्रणी राज्यों में गिना जाता है।

निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र: मध्यप्रदेश तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव आकर्षित करने वाला देश का तीसरा राज्य बनना इसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति का प्रमाण है। धार में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण क्षेत्र का विकास तथा खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि प्रदेश उद्योग और रोजगार सृजन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। इसके साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर' सम्मान प्राप्त होना उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं की स्वीकृति है। पर्यटकों के लिए अंतरराज्यीय हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाला यह देश का पहला राज्य है। स्वच्छता के क्षेत्र में भी प्रदेश ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इंदौर ने लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतकर नया इतिहास रचा है, जबकि भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के चलते नशामुक्ति अभियान के प्रभावी संचालन और अब नक्सलवाद से पूर्ण मुक्ति प्राप्त करना प्रदेश की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विकास के नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त करती है। विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की निर्णायक भूमिका के तहत आज का मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी नीतियों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सक्रिय नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। जनकल्याण, सुशासन, कृषि, उद्योग, डिजिटल नवाचार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत लिख रहा है। डबल इंजन की सरकार में यह केवल योजनाओं का सफल क्रियान्वयन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, सरकार की प्रतिबद्धता और विकास की राजनीति का जीवंत उदाहरण है। मध्यप्रदेश आज उस विकसित भारत का प्रतिनिधि बनकर उभर रहा है, जो आत्मनिर्भर, समृद्ध, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है।

क्या रूस ओडेसा पर कब्जा करेगा?

रूस-यूक्रेन जंग

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक पत्रकार हैं।

काला सागर के तट पर बसा उक्राइनी (यूक्रेन) पत्तन-नगर ओडेसा (रूसी में अदेस्सा) खतरे में है। 18 जून को मस्क्वा के उपांत में स्थित तेलशोधक कारखाने पर उक्राइनी द्रोनों की बौछार से तबाही मच गयी और धुयें के स्याह बादल मस्क्वा के आकाश में देखे गये। इससे बौखलाये रूस ने ओडेसा के एक हिस्से पर कब्जे की योजना बना ली है। इस बीच 18-19 जून की दरम्यानी रात उसकी बमबारी से वहां तैनात पूरी फ्रेंच रेजीमेंट नष्ट हो गयी है और योरोप को सबक सिखाने के मकसद से रूस ने ब्रिटेन के राजनयिक को निष्कासित किया है। संकेत हैं कि रूस अपने एक-डेढ़ लाख आरक्षित सैन्य बल को शीघ्र ओडेसा रवाना कर सकता है।

रूसी तेलशोधक संयंत्र पर उक्राइना के दिनदहाड़े द्रोन हमलों के बाद रूस-उक्राइना युद्ध खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन अर्से से यह आरोप लगाते आ रहे हैं कि रूस के खिलाफ जंग में अमेरिका और योरोपीय देश लिप्त हैं। ओडेसा में फ्रेंच होटल और बैरकों

पर रूस के जवाबी हमले में अनुमानतः 75 फ्रांसीसी फौजी मारे गये हैं। इससे फ्रांस में शोक की लहर है, किंतु फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बयानबाजी से इसलिये किनारा किया है, क्योंकि उनकी स्वीकारोक्ति से युद्ध में योरोपीय संलिप्तता के पुतिन के आरोप की पुष्टि हो जायेगी। जहां तक उक्राइना में सैन्य ठिकानों का प्रश्न है, रूस को उक्राइना के सामरिक ढांचे की राई-रत्ती जानकारी है, किंतु जैसा कि राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है, रूस उक्राइना में आनुपातिक लड़ाई लड़ रहा है। गौरतलब है कि रूस उक्राइना के बीस प्रतिशत भूभाग पर पहले ही कब्ज़ा कर चुका है। ऐसे में यदि वह ओडेसा बंदरगाह पर कब्जा करता है, तो इससे उक्राइना के निर्यात और आर्थिकी पर जबर्दस्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञात हो कि ओडेसा में बड़ी आबादी रूसियों और यहूदियों की है और वे भावनात्मक रूप से रूस से जुड़े हुये हैं। क्रेमलिन को पता है कि ईरान-अमेरिका में सुलह के बाद अमेरिका और नाटो रूस-उक्राइना जंग को तेज कर रूस पर दबाव बढ़ाने की फिराक में हैं, लिहाजा मारे सो मीर की तर्ज पर क्रेमलिन क्रीमिया की भांति ओडेसा को भी सर कर सकता है।

जहां तक ओडेसा का प्रश्न है, ओडेसा उक्राइना का तीसरा सबसे बड़ा नगर और प्रमुख बंदरगाह है। योरोपीय देशों को 'गेहूं का कटोरा' यानि उक्राइना से गेहूं का निर्यात मुख्यतः यहीं से होता है। यहां का सिटी सेंटर वर्ल्ड-हैरीटेज में शामिल है। काला सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर बसा ओडेसा उत्तर और दक्षिण में बँटा हुआ है। उत्तरी द्वीपनुमा हिस्सा दक्षिण से सड़क और रेलपांत के दो पुलों से जुड़ा हुआ था, लेकिन रूस की रात भर की ताजा बमबारी से उत्तर और दक्षिण ओडेसा का संबंध टूट गया है, फलतः रूसी धावे की स्थिति में उक्राइनी सेना दक्षिणी ओडेसा में नहीं आ सकती। रूस की कोशिश होगी कि इस सामरिक स्थिति का लाभ उठाया जाये। यदि ऐसा हुआ तो उक्राइना अपना बड़ा भूभाग खो देगा। बहरहाल, फिलवक्त ओडेसा रूसी हमले की चपेट में है और योरोप चिंताग्रस्त। उल्लेखनीय है कि एक समझौते के तहत रूस ने ओडेसा से उक्राइना के अन्न निर्यात में जंग के बावजूद बाधा नहीं डाली है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

चोर और चौकीदार का एक -दूसरे के बिना गुज़ारा नही

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

दान पेटी मे छेद कर दिए जाने को लेकर कुछ भोले- भाले लोग दुखी हैं। भोले भालों के पास भले और दुखी होने के अलावा और कोई च्वाईस होती भी नही। ये आमतौर पर गरीब भी होते है और गरीब का हर जगह मरण है। गरीब को इसलिए भी मुँह बंद रखना चाहिए क्योंकि उसकी कहीं कोई सुनवाई नही होती। जहां तक मेरी बात है मैं उन्हें परेशान होते देख हैरान हूँ। पता नहीं क्यों लोग चौकीदार से चोरी करने की उम्मीद नही करते,जबकि चोर होने की सबसे ज्यादा सलाहियत और सहूलियत चौकीदार के पास ही होती है।

अमानत में ख़यानत तभी की जा सकती है जब आपके पास अमानत की पेटी और पेटी के ताले की चाबी हो। चाणक्य कह ही गए है कि समुद्र मे रहने वाली मछली पानी पिए बिना नही रह सकती और उसने कितना पानी पिया इसका हिसाब लगाना असम्भव है। ऐसे मे आपके पास चाबी हो और आप दान पेटी मे न झाँके ऐसा कैसे हो सकता है ?

दरअसल चोर और चौकीदार का एक दूसरे के बिना गुज़ारा है नही। पूरक हैं ये एक दूसरे के। जहाँ एक है वहाँ दूसरा भी होगा ही।दोनों हैं ही इसलिये क्योंकि दूसरा मौजूद है। चोर ना हों तो चौकीदार को नौकरी कौन देगा और चौकीदार ना हो तो चोरी में रोमांच कहाँ रह जायेगा। ऐसे में रोज़ का मिलना जुलना है इनका। और इसी मेल जोल के चक्कर में से एक दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं और बहुत बार दूसरे के काम को अपने काम से भी बेहतर तरीक़े से कर गुजरते हैं। पर चोर और चौकीदार में सबसे बड़ा अंतर ये है कि चोर कई बार पकड़ लिये जाते हैं।

अच्छे चौकीदार कैसे होते हैं ? ये किसी को नहीं पता। पर कामयाब चोर होने के लिये बहुत से गुण चाहिये इंसान में। उसे भरोसा होना चाहिये खुद पर। सतर्क सावधान रहे वो यह ज़रूरी है।उसमे आदमी पहचानने की क़ाबिलियत होना चाहिये।वक्त का सही इस्तेमाल करना जानना भी उसे बेहतर बना सकता है। चुप रहना और राज की बाते पचाने का रियाज़ हो उसे, बहादुर और संयमी हो वो तो बेहतर है।

आमतौर पर चोर समझदार होते है। मुहूर्त विचार कर,सोच समझ कर कार्यवाही करते हैं। ईमानदार होते हैं अपने काम के प्रति। अपने पेशे की आचार संहिता का पालन करते है,एक चोर कभी दूसरे चोर के यहाँ चोरी नहीं करता।ये एक दूसरे का भरोसा नहीं तोड़ते और जहां एक बार चोरी कर चुके हो उसे अगली बार बख्श देते है। ये हमारे आपके जैसे आम आदमी ही होते है। सोचकर देखिये आजकल चोर कौन नहीं? आदमी काम से जी चुराता है,पड़ोसन का दिल चुराने से बाज नहीं आता। भरोसा और चैन चुराया जाता है दूसरे का। ईमान भी चोरी होता है। हम से शायद ही ऐसा कोई हो जिसने बचपन में बाप या जवानी में पति की जेब से रूपये ना चुराये हों। ऐसे में चोरों को ही बदनाम करना ठीक है नहीं।

चोर होना फ़ायदे का काम ऐसे हैं क्योंकि ये बिना पूँजी का धंधा है, अमीरी का शार्टकट है पर इसके अपने नुक़सान भी है। चोर कभी डंके की चोट पर चोरी नहीं कर सकता। उसे हमेशा अपनी असलियत छुपानी पड़ती है ,वो कभी लूट लिये जाने की या अपने यहाँ चोरी होने की शिकायत नहीं कर सकता।चोर ठगे जाने का रोना नहीं रो सकता।

अब आईये इस मामले पर गौर करें। चौकीदारों ने पूरी शांति से चोरी की, गोपनीयता का ध्यान बनाए रखा उन्होंने। आपस का भरोसा कायम रखा। वे अमीर हुए लेकिन भद्र बने रहे। चौकीदारों से आप और क्या चाहते हैं ? और फिर सौ की एक बात। भक्तों को दान पेटियों मे डाले गए धन का हिसाब किताब मांगने का हक होता भी नही। आपको याद रखना चाहिए आपने अपनी कमाई अपना परलोक सुधारने के लिए दान की है,भगवान को उधार नही दी जो उस बाबत खाता बही जाँचे। भगवान आपको चढ़ावे को खुद खर्च करने से रहे। वो उनकी तरफ से उनके वो व्यक्ति करते है ,जो उन्हें प्रिय हों, जिन्हें उन्होंने अपने नज़दीक रहने की अनुमति दी हो। हमेशा से होता आया है ऐसा और भक्तों के पास इसका बुरा मानने की रत्ती भर भी गुंजाइश है नही। भगवान और दानपेटी के रखवालों के बीच का यह मामला मियाँ बीबी के राजी होने जैसा ही है। बीबी को पूरा हक होता है कि वो अपने मियाँ की जेबें टटोल ले। ऐसे मे इस मामले मे ज़बरदस्ती काजी न बने। मेरी सलाह मानें। भगवान के घर चोरी जैसी रिस्की खबर को अनदेखा करें,देख सुन भी लें तो इस पर कोई कहा सुनी ना करें,इसी में आपकी भलाई है।

न्याय और कानून

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

कौन होना चाहिए आरक्षण का सही अधिकारी

कई राजनीतिक विशेषज्ञों और अन्य लोगों की राय है कि भारत में आरक्षण प्रणाली को अब समाप्त कर दिया जाना चाहिए। आरक्षण प्रणाली के समर्थक आरक्षण के प्रबल प्रभाव को उजागर करते हैं। वे इस बात पर बल देते हैं कि यह अवांछनीय लाभ नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान द्वारा चिन्हित गंभीर सामाजिक हानियों को दूर करने का एक साधन है। यह पहली बार नहीं है कि न्यायालय के समक्ष ऐसी स्थिति हुई हो और शायद आखिरी भी न हो। कई राजनीतिक विशेषज्ञों और अन्य लोगों की राय है कि भारत में आरक्षण प्रणाली को अब समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

आरक्षण पर चर्चा कोई नई नहीं है। विभिन्न समयों पर हमेशा से ही चर्चा का विषय भी रहा है। एक समुदाय का यह भी मानना है कि इसे रद्द कर देना चाहिए। ऐसा ही एक मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष आया था। यहां अधिकारियों के बच्चों को विशेष आरक्षण प्राप्त करने का अधिकार है या नहीं, यह प्रश्न हाल ही में उच्चतम न्यायलय के समक्ष था। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सवाल उठाया कि क्या उन परिवारों के बच्चों को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ मिलता रहना चाहिए, जिन्होंने आरक्षण के जरिए शैक्षिक और आर्थिक तरक्की हासिल कर ली है? न्यायालय ने कहा कि ऐसी तरक्की से सामाजिक गतिशीलता भी आती है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि अगर माता-पिता दोनों आईएएस अधिकारी हैं तो उन्हें आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। ऐसे में अगर बच्चों के लिए फिर से आरक्षण मांगा जाए, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर हमें गंभीरता से विचार करना होगा। साथ ही फिर आरक्षण देने का क्या फायदा? आप आरक्षण दे रहे हैं। माता-पिता ने पढ़ाई की है, वे अच्छी नौकरियों में हैं, उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है, और अब बच्चे फिर से आरक्षण मांग रहे हैं। उन्हें अब आरक्षण के दायरे से बाहर आ जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जवल भुयान की बेंच ने ये टिप्पणियां तब की, जब वे कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में याचिकाकर्ता को आरक्षण के दायरे से बाहर रखने के फैसले को सही ठहराया था। याचिकाकर्ता के माता-पिता दोनों ही राज्य सरकार के कर्मचारी हैं और उन्हें 'क्रीमी लेयर' के आधार पर आरक्षण से वंचित किया गया था। यह मामला 'कुरुबा' समुदाय से जुड़े एक उम्मीदवार का है। कर्नाटक के पिछड़े वर्गों की सूची में इस समुदाय को श्रेणी के तहत रखा गया। इस उम्मीदवार का चयन कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) के पद पर आरक्षित श्रेणी के तहत हुआ था। हालांकि, जिला जाति और आय सत्यापन समिति ने यह निष्कर्ष निकालते हुए उसे जाति वैधता प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया कि वह क्रीमी लेयर के अंतर्गत आता है।

उम्मीदवार के परिवार की वार्षिक आय लगभग 19.48 लाख आंकी गई। अधिकारियों ने पाया कि माता-पिता दोनों ही सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी संयुक्त आय क्रीमी लेयर के लिए निर्धारित सीमा से अधिक है। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बार-बार इस बात पर चिंता जाहिर की कि जिन परिवारों ने सामाजिक और आर्थिक रूप से तरक्की कर ली है, उन्हें भी आरक्षण का लाभ मिलता जा रहा है। उन्होंने टिप्पणी की कि आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक स्तर में भी सुधार होता है। उन्होंने उन बच्चों को भी आरक्षण का लाभ देने के औचित्य पर सवाल उठाया, जिनके माता-पिता शिक्षित हैं, अच्छी नौकरियों में हैं और अच्छी-खासी आमदनी करते हैं।

याचिकाकर्ता के अभिभाषक ने इस बात पर जोर दिया कि क्रीमी लेयर की स्थिति निर्धारित करने के लिए ये आंकड़े प्रासंगिक नहीं हैं। उन्होंने कर्नाटक सरकार द्वारा जारी एक स्पष्टीकरण का हवाला दिया, जिसमें यह कहा गया कि यदि माता-पिता राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, तो उनकी पात्रता का आकलन करते समय उनके वेतन और भत्तों को गणना में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दलील दी कि अगर क्रीमी लेयर का दर्जा तय करते समय आय के सभी स्रोतों को ध्यान में रखा जाए तो अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आरक्षण के बीच कोई फर्क नहीं रह जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि क्रीमी लेयर के मानक ज्यादा उदार होने चाहिए। आखिरकार, न्यायालय ने इस याचिका पर नोटिस जारी किया।

यह याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच के फैसले से जुड़ी है, जिसने एकल न्यायाधीश के उस फैसले को पलट दिया था जो उम्मीदवार के पक्ष में था। एकल न्यायाधीश ने यह माना था कि यह तय करते समय कि उम्मीदवार क्रीमी लेयर में आता है या नहीं, उसके माता-पिता की वेतन से होने वाली आय को हिसाब में नहीं गिना जाना चाहिए। उन्होंने जाति वैधता प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया था। डिवीजन बेंच ने उस फैसले को पलट दिया और यह माना कि केंद्र सरकार का 8 सितंबर, 1993 का ऑफिस मेमोरेंडम, जिसमें क्रीमी लेयर तय करने के लिए वेतन से होने वाली आय को बाहर रखा गया था, वह सिर्फ केंद्र सरकार के तहत आरक्षण पर लागू होता है, न कि कर्नाटक में आरक्षण पर। कर्नाटक की क्रीमी लेयर नीति का जिक्र करते हुए उच्च न्यायालय ने यह माना कि उम्मीदवार के परिवार की आय तय सीमा से ज्यादा है, इसलिए वह क्रीमी लेयर के दायरे में आता है।

यह पहली बार नहीं है कि न्यायालय के समक्ष ऐसी स्थिति हुई हो और शायद आखिरी भी न हो। कई राजनीतिक विशेषज्ञों और अन्य लोगों की राय है कि भारत में आरक्षण प्रणाली को अब समाप्त कर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही, कई लोगों का तर्क है कि सकारात्मक कार्रवाई संबंधी विमर्श को विवाद के रूप में वर्गीकृत करना आरक्षण से लाभान्वित हो रहे समुदायों के संघर्ष एवं प्रत्यास्थता की अनदेखी करता है। आरक्षण प्रणाली के समर्थक आरक्षण के प्रबल प्रभाव को उजागर करते हैं, जहां वे इस बात पर बल देते हैं कि यह अवांछनीय लाभ नहीं है बल्कि भारतीय संविधान द्वारा चिन्हित गंभीर सामाजिक हानियों को दूर करने का एक साधन है। सरल शब्दों में कहें तो यह आबादी के कुछ वर्गों के लिये सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और यहाँ तक कि विधायिका तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने से संबंधित है। इन वर्गों को अपनी जातीय पहचान के कारण ऐतिहासिक रूप से अन्याय का सामना करना पड़ा है। कोटा आधारित सकारात्मक कार्रवाई के रूप में आरक्षण को सकारात्मक भेदभाव के रूप में भी देखा जा सकता है। भारत में यह भारतीय संविधान द्वारा समर्थित सरकारी नीतियों द्वारा शासित होता है।

जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली की परिकल्पना सर्वप्रथम वर्ष 1882 में विलियम हंटर और ज्योतिराव फुले द्वारा की गई थी। वर्तमान में जो आरक्षण प्रणाली मौजूद है, वह सही अर्थों में वर्ष 1933 में शुरू की गई थी जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडोनाल्ड ने सांप्रदायिक अधिनिर्णय या कम्युनल अवार्ड प्रस्तुत किया था। इस अधिनिर्णय में मुसलमानों, सिखों, भारतीय ईसाइयों, एंग्लो-इंडियन, यूरोपीय लोगों और दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों का प्रावधान किया गया। लंबी चर्चा के बाद गांधी और अंबेडकर ने पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए, जहाँ यह निर्णय लिया गया कि आरक्षण के कुछ प्रावधानों के साथ एकल हिंदू निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था होगी।

स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में आरक्षण केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए प्रदान किया गया था। मंडल आयोग की सिफारिशों पर वर्ष 1991 में अन्य पिछड़े वर्गों को भी आरक्षण के दायरे में शामिल कर लिया गया। इस निर्णय के साथ क्रीमी लेयर की अवधारणा को भी बल मिला, जहाँ विचार किया गया कि पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण केवल आरंभिक नियुक्तियों तक ही सीमित होना चाहिए और इसका विस्तार पदोन्नति के लिए नहीं होना चाहिये। हाल ही में संविधान (103 वां संशोधन) अधिनियम 2019 के माध्यम से अनारक्षित श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10त्न आरक्षण प्रदान किया गया। मद्रास राज्य बनाम श्रीमती चंपकम दोराईराजन (1951) मामला आरक्षण के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का पहला प्रमुख निर्णय था। इस मामले से संविधान में पहले संशोधन की राह खुली। अपने निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जबकि राज्य के तहत रोजगार के मामले में अनुच्छेद 16(4) नागरिकों के पिछड़े वर्ग के पक्ष में आरक्षण का प्रावधान करता है, अनुच्छेद 15 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार संसद ने अनुच्छेद 15 में संशोधन करते हुए इसमें खंड (4) को शामिल किया। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ (1992) मामले में न्यायालय ने अनुच्छेद 16(4) के दायरे एवं सीमा पर विचार किया। न्यायालय ने कहा है कि अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभार्थियों की सूची से बाहर किया जाना चाहिये। पदोन्नति में आरक्षण लागू नहीं होना चाहिये। साथ ही कुल आरक्षित कोटा 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। इसकी प्रतिक्रिया में संसद ने 77 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया जिसके माध्यम से अनुच्छेद 16(4ए) को शामिल किया गया। यह अनुच्छेद राज्य को सार्वजनिक सेवाओं में पदोन्नति के मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के पक्ष में सीटें आरक्षित करने की शक्ति प्रदान करता है, यदि समुदायों को सार्वजनिक नियोजन में पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो। एम. नागराज बनाम भारत संघ (2006) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 16 (4ए) की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि संवैधानिक रूप से वैध होने के लिये ऐसी किसी भी आरक्षण नीति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ेपन की शिकार हो, सार्वजनिक नियोजन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदायों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं हो, ऐसी आरक्षण नीति प्रशासन में समग्र दक्षता को प्रभावित नहीं करती हो संवैधानिक आवष्यकताओं की पूर्ति करती होती है।

गांधीजी का मानना था कि सर्वोदय (सभी का विकास) की प्राप्ति अंत्योदय (कमजोरों का कल्याण) के माध्यम से हो सकेगी। विभिन्न दार्शनिकों ने इस दृष्टिकोण से विचार किया है और निष्कर्ष निकाला कि यदि आप दुनिया में अपना स्थान जाने बिना इसे डिजाइन कर रहे हैं तो आप सभी के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित कर सकेंगे। आरक्षण सामाजिक न्याय के लिये एक बहुमूल्य साधन है। लेकिन प्रश्न यह है कि पूर्ण स्वराज के कई साल गुजरने के बाद भी क्या अब इसे त्यागने का समय आ गया है? यह प्रश्न इसलिए भी सामयिक है कि यह प्रायः राजनीतिक हेरफेर के अधीन होता है। इसके बदले कुछ ऐसा अपनाने की आवश्यकता है जो अगले दशकों में अधिक सार्वभौमिक सिद्ध हो।

पचासवीं पुण्यतिथि/ पुण्य स्मरण

बालकवि बैरागी

पं.सूर्यनारायण व्यास: महाकाल के महाशय

22 जून 1976 को पद्म विभूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास ने स्वर्गारोहण किया था इस 22 जून 2026 को उनको दिवंगत हुए पचास बरस हो रहे हैं। विक्रम विश्वविद्यालय, विक्रम कीर्ति मंदिर के संस्थापक, कालिदास अकादमी कालिदास समारोह के प्रणेता, सिंधिया शोध प्रतिष्ठान से ले कर क्षिप्रा द्वार के जनक पंडित सूर्यनारायण व्यास का यह पुण्य स्मरण-

वे लोग विरले ही होते हैं जिनके माध्यम से समय का देवता अपने आपको व्यक्त करता है यूँ तो कुछ-न-कुछ वह कहलवाता सभी से है किन्तु ये गिने लोग ही अपने-अपने समय में ऐसे होते हैं जोकि समय 'देवता के आशय को अपनी प्रबल मेधा से पहचान लेते हैं और अपना सारा जीवन उसी आशय के लिए अर्पित कर देते हैं। समय देवता का ही दूसरा नाम हुआ करता है महाकाल! महाकाल का आशय कभी मध्यम या तुच्छ नहीं होता, वह हमेशा उत्तंग और उल्लेखनीय हुआ करता है। तरह से महान। इस महान् आशय को आत्मसात करने वाले को ही संसार 'महाशय' कह कर पुकारता है।

महाकाल अभिषेक के समय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के साथ पं.सूर्यनारायण व्यास।

पं सूर्यनारायण व्यास को इस कसौटी पर कस कर समय का देवता भी संकोच में पड़ गया होगा, वस्तुतः वे 'महाशय' से भी ऊपर कुछ और थे।

अपने सात्विक और क्रियाशील जीवन में उन्होंने अकेले ही मालवा, मालवी और अपने प्रिय नगर उज्जैन के लिए जितना कुछ किया है उसका लेखा-जोखा इस तरह से और एकाएक नहीं लिया जा सकेगा। कितना तो उन्होंने लिखा और कितना बोला, कितना पत्राचार किया और मितभाषी होते हुए भी कितना संवाद किया। अपने जीते- जी वे सदैव किवदंती पुरुष बने रहे और स्वर्गवास के बाद एक तरह से 'गाथा नायक' की सीमाओं के ठेठ भीतर जा बंटे हैं। उज्जैन को 'विक्रम विश्वविद्यालय' देना, महाकवि कालिदास का ऋण उतारने के उपक्रम में 'अखिल भारतीय कालिदास समारोह' की परिकल्पना करके उसे आकार देना , सारे संसार के संस्कृत प्रेमियों को एक मंच पर ला बैठाना, ये कुछ ऐसे बिन्दु हैं जो स्थूल हैं। किन्तु अपने शहर की गलियों, मुहल्लों और सड़कों के नाम तक बदल देना और उन नामों का नामान्तरण भी अपने साहित्य, संस्कृति और पुराण पुरुषों के नाम पर करवा देना उनके अकेले मस्तिष्क की सूझ-बूझ थी! महाकाल के महान् आशय को शायद उनको सदैव स्मरण रहा होगा। उनके जीते-जी भारत का एक भी महापुरुष ऐसा नहीं बचा था जो कि उज्जैन नहीं आया हो। देशरत्न राजेन्द्र बाबू जैसी विभूति को 'भारती भवन' की सीढ़ियाँ चढ़वा देना सम्भवतः उनकी तपस्या का ही पारिजात पुण्य था। राजेन्द्र बाबू दमे के गम्भीर मरीज थे तब भी वे व्यास जी के निवास 'भारती भवन' की सीढ़ियाँ चढ कर उनके दर्शन करने पधारे थे। विक्रम विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए पं. श्री जवाहरलाल जी नेहरू से उनका जो दो-टक संवाद हुआ था वह आज इतिहास का दस्तावेज है ।

मूलतः पं. सूर्यनारायण जी व्यास संसार के प्रख्यात ही नहीं

सुविख्यात ज्योतिषी थे। राजाओं-महाराजाओं और बाद में मुख्यमंत्री के स्तर के नीचे की जन्म कुंडली उन्होंने कभी नहीं देखी। जिस कुंडली को वे देखना नहीं चाहते थे उसके लिए बिना किसी लाग-लपेट के मना कर देते थे। स्वाभिमानी इस सीमा तक रहे कि प्रायः लोग उन्हें अभिमानी मान बैठते थे। विनोद और कटाक्ष उनके अनुपम शलेष में अलंकृत होते थे, मुझे उनके श्री चरणों में बैठने का बार- बार सौभाग्य मिला है। मेरा यह विशेष सौभाग्य रहा कि मैंने अपने जीवन का पहला कवि सम्मेलन ही तराना में भाई श्री हरीश निगम के संयोजकत्व में पं. श्री सूर्यनारायण जी व्यास की अध्यक्षता में पढ़ा। सारी रात वे वसंतोत्सव को उस मंच पर विराजे रहे थे। उनके आसपास के नक्षत्र लोक में स्व.श्री श्याम परमार, स्व. श्री बसन्ती लाल बम, स्व. डा. श्री चिन्तामणि जी उपाध्याय, कुँवर श्री गिरिवर सिह जी भँवर, पं. श्री मदनमोहन जी व्यास, श्री प्रकाश उप्पल, स्व. श्री शशि भोंगलेकर, पं. श्री आनन्द राव जी दूबे और मालवी के कई लेखक-कवि शोभित थे। दो बातें मुझे इस कवि सम्मेलन की अच्छी तरह याद हैं। एक तो यह कि यह मेरा पहला सम्मेलन था और इसके लिए मुझे तराना रोड रेलवे स्टेशन के तराना शहर तक की यात्रा पैदल ही करनी पडी थी।

हम सात-आठ कवि पैदल ही पलाश वनों को पार करते हए तराना पहँचे थे। दूसरी बात यह महत्वपूर्ण थी कि आज के प्रसिदध मालवी कवि श्री सुल्तान मामा ने उस कवि सम्मेलन का ऐलान सारे शहर में किया था। तब मामा कविताएँ लिखते नहीं थे। सुगायक जरूर थे, चुपचाप कहने की एक बात और भी मन में कसमसा रही है। इस कवि सम्मेलन का पारिश्रमिक तब मार्ग व्यय सहित मझे मात्र 'सात रुपये' मिला था। मनासा से तराना तक आना-जाना और कविता-पाठ करना सभी कुछ आ गया इन सात रुपयों में। यह सन् 1951 के बाद का कोई वसन्त था शायद सन् 1952 या 53 रहा होगा, पर इस मंच पर मेरी सबसे बडी उपलब्धि रही पं श्री सूर्यनारायण जी व्यास का ईश्वरीय आशीर्वाद प्राप्त कर लेना। मंचों पर तो मैं पहले से ही था पर कवि सम्मेलन और वह भी सपारिश्रमिक कवि सम्मेलन के तौर पर मेरा यह पहला ही कवि सम्मेलन था। इस आयोजन के बाद तो मैं जब तक 'दा' साहब व्यास जी जीवित रहे यदा-कदा और प्रायः नियमित तौर पर 'भारती-भवन' जाकर उनके चरण स्पर्श किया करता था।

क्षिप्रा, महाकाल, विक्रम और अवन्तिका तथा 'संस्कृत भाषा और मालवी एक तरह से 'दा' साहब के शक्ति स्रोत तो रहे ही उनकी कमजोरियाँ भी रहे। अपने बाल- बच्चों और अपने परिजनों के लिए वे प्रकट या अप्रकट रूप से कछ भी नहीं कर सके। अपनी कीर्ति, तपस्या और पुण्य अवश्य विरासत में दे गए और भौतिक 'स्तर पर शायद वे एक जनक का दाय पूरा नहीं कर पाये। कीर्ति और मेधा ने उन्हें अपने ही परिवार में एक द्वीप जैसा बना दिया था। बच्चों के प्रति स्नेह और ममता का अभाव बेशक नहीं था किन्तु उनके व्यक्तित्व की आभा में प्रविष्ट होने के लिए उनके परिजनों को भी शायद उनसे आज्ञा लेनी पड़ती थी। अनुशासन और दबदबा जिसे कहते हैं वह उनका, उनके परिवार और परिजनों से ही शुरू हो ' जाता था ।

प्रभुप्रदत अपने मूलधन ज्योतिष की अकेले उन्होंने जितनी सेवा की है, उसका जोड शायद ही गए हजार और आने वाले हजार सालों में इस देश को मिल सके, यह विद्या मात्र विद्या नहीं रहे अपितु इसे पुनः शास्त्र के तौर पर पुनर्प्रतिष्ठा मिले इस दिशा में उन्होने सारा जीवन खपा दिया। कई सदियो के बाद दुनिया के अन्य देशों ने भारतीय ज्योतिष को नई आभा के साथ 'दा' ''साहब के कारण ही पहचाना। वे कई देशों में घूमे और अपने देश की इस महान् सम्पदा का उपहार बहुत ही मनोवैज्ञनिक तरीके से न जाने किस-किसको देकर उपकृत कर आए। भारत में आज कोई भी ज्योतिषी तब तक ज्योतिषी नहीं माना जाता है जब तक कि पं श्री सूर्यनारायण जी व्यास का चित्र उसकी बैठक या पूजा में नहीं हो।

'दा' साहब के स्वर्गारोहण के पश्चात् उनके परिजनों या पुत्रों या पौत्रों से उसी कोटि की पुण्य शीला मेघा की अपेक्षा करना उनकी पीढ़ियों के प्रति भी न्याय नहीं होगा। उनके बच्चे चर्चित और समर्पित नहीं हें ऐसा भी नहीं है, किन्तु यह भी सच है कि महाकाल अपना आशय हर किसी को नहीं सौंपता। मैं लिख चुका हूँ कि ऐसे लोग विरले ही होते हैं, सदियों में एकाध, कई संवत्सरों में शायद कोई एक बस!

(पूर्व में प्रकाशित लेख का पुनर्पाठ)

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

कला मंथन- सृजनशील कलाकारों का सजग मंच

कला की तमाम गतिविधियों को आयोजित करने वाली संस्था कलाचर्चा ट्रस्ट द्वारा इस समय देहरादून में कला मंथन -4 (कलाकार शिविर एवं कला प्रदर्शनी) का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमें देश भर से 40 से अधिक कलाकार प्रतिभाग कर रहे हैं। कला मंथन का पहला आयोजन राजस्थान के बारां जिले के छोटे से कस्बे छबड़ा में आयोजित किया गया था। द्वितीय संस्करण सिक्किम के मंगन जिले के फोड़ोग में किया गया। तृतीय संस्करण राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में और चतुर्थ संस्करण यहाँ देहरादून उत्तराखंड में आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को प्रतिवर्ष भारत के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किये जाने का संकल्प है।

इस प्रदर्शनी में टोंक राजस्थान से ताराचंद शर्मा जो एक प्रकृतिप्रेमी, प्रयोगवादी फोटोग्राफर और कलाकार हैं, जो अपने संवेदनशील दृष्टि से प्राकृतिक अनुभूतियों को अपने फोटोग्राफ्स में उतारते हैं, की कृतियां प्रदर्शित है। चित्रकार सुरेंद्र सिंह की कलात्मक अभिव्यक्ति राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य कला और ग्रामीण परिवेश को समकालीन अमूर्त शैली में प्रस्तुत करती है। 'मांडणा' जैसे पारंपरिक लोक-रूपांकनों से प्रेरित उनकी कृतियाँ, स्मृतियों के गहरे आयामों को उजागर करती हैं। उनकी नई चित्र श्रृंखला 'विरासत' अतीत के उन अभूतपूर्व क्षणों को कैनवास पर उतारती है, जो हमारी चेतना का हिस्सा हैं। यह श्रृंखला हमारी ऐतिहासिक और वास्तुकला संबंधी अनमोल विरासत को समर्पित है। कलाकार का मानना है कि इस धरोहर का संरक्षण केवल अतीत का सम्मान नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों और शिल्पकारों की कारीगरी को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संजोना भी है। देहरादून से कलाकार कर्नल भारत भण्डारी जो जल, तैल, ऐक्रिलिक आदि माध्यमों मे काम करते हैं, के चित्र भी प्रदर्शित हैं। असम से पधारे कलाकार डॉ. अनिर्बान धर की कला-साधना, आत्म-अन्वेषण और अपने परिवेश से निरंतर संवाद की एक सृजनात्मक यात्रा है। चित्रकला एवं अंतःविषय कलात्मक प्रयोगों के माध्यम से वे दृश्य अनुभवों का पुनर्पाठ करते हुए आंतरिक और बाह्य यात्राओं को विविध माध्यमों तथा सतहों पर अभिव्यक्त करते हैं। प्रकृति और दैनिक परिवेश से प्रेरित उनकी कृतियाँ भूगोल, स्मृति और मानवीय अस्तित्व के अंतर्संबंधों का अन्वेषण करती है। कलाकार डॉ. भारत भूषण जो गोरखपुर से हैं, का चित्रण विषय मुख्य रूप से सनातन और उसके दर्शन पर आधारित है और चित्र भाषा में वह अपनी बात प्रतीकात्मक रूप से कहते हैं। वो कहते हैं कि- 'सच कहूँ तो इन अनसुलझी गुत्थियों को सुलझाने का अकिंचन प्रयास अत्यंत पवित्र धार्मिक कार्य जैसा मुझे आनंद देता है।'

कलाकार भावना सक्सेना जो जयपुर से हैं और एक फड़ कलाकार हैं, जो पिछले 25-30 वर्षों से राजस्थान की इस समृद्ध लोककला पर कार्य कर रही है। फड़ चित्रकला में लोकदेवताओं जैसे पाबूजी एवं देवनारायण जी की वीरगाथाओं और लोककथाओं को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। और प्रकृति के गहरे अंतर्संबंध का दार्शनिक संकेत भी देता है। पक्षी उनके चित्रों में स्वतंत्रता, उड़ान और स्वप्न के प्रतीक के रूप में आते हैं, जबकि मानव आकृतियाँ स्थायित्व और यथार्थ से जुड़ी हुई दिखाई देती हैं। इस प्रकार उनके कैनवास पर जीवन और कल्पना, यथार्थ और स्वप्न, परंपरा और आधुनिकता के बीच एक संतुलित संवाद स्थापित होता है। कलाकार डॉ. राजकुमार पांडेय, जिनके तमाम कला आधारित आलेख प्रकाशित होते रहते हैं एवं जिनकी कलाकृतियाँ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टैक्स्चर का बहुत बढ़िया प्रयोग हुआ है इनके यहाँ। अमूर्तन, आध्यात्मिक, मानवीय गुणधर्मों का अद्भुत संगम दिखता है कलाकार विंदू छाबरा के कृतियों में। इनके पास टेक्सचर, ज्यामितीय आकृतियों, संकेतों के माध्यम से अपनी बात कहने का अद्भुत हुनर है। आदित्य भूषण कलाकार होने के साथ ही अच्छे फोटोग्राफर भी हैं। डॉक्यूमेंटेशन, स्ट्रीट फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी, साइंटिफिक फोटोग्राफी के अतिरिक्त सिनेमैटोग्राफी के क्षेत्र में भी आदित्य भूषण काम कर चुके हैं। के कलाकार संजय कांति सेठ, जो प्रयोगधर्मी फोटोग्राफर हैं। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय उत्पन्न होने वाले प्रकाशीय प्रतिबिंब इनके फोटोग्राफी का प्रमुख विषय हैं। इन क्षणों में प्रकाश, जल, थल और आकाश के अद्भुत समन्वय से निर्मित दृश्य विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। विदिशा म. प्र. से कलाकार सुरेन्द्र भारद्वाज जो व्यक्तिचित्र, प्राकृतिक दृश्य, वास्तविक शैली चित्रण करते हैं। पेन स्कैच, चारकोल, जलरंग, एक्रिलिक एवं तैल से कार्य करने का अनुभव है। हिंदू धर्मग्रंथों, मानवीय भावनाओं और मानसिक दुनिया से जुड़े विषयों पर काम करती कलाकार आकांक्षा जायसवाल अमूर्तन की तरफ अधिक आकर्षित दिखती हैं। कलाकार आयुष रावत जो खुद को एक जुनूनी कलाकार मानते हैं, जो अलग-अलग तरह की कलाओं के जरिए क्रिएटिविटी को खोजने के लिए खुद को समर्पित मानते हैं, कई अलग माध्यमों में कार्य करते हैं। कलाकार नीतू साहू जो 'इम्पैस्टो' तकनीक का इस्तेमाल करती हूँ और डॉ. अभय द्विवेदी के मार्गदर्शन में काम करती हैं, ज्यादातर पैलेट नाइफ का इस्तेमाल करती हैं। कलाकार आशीष त्रिपाठी की कला गहरे आध्यात्मिक अनुभव जगाती है, ऐसे एहसास जिन्हें कलाकृति के बिल्कुल करीब जाकर ही सच में महसूस किया जा सकता है। अलग-अलग रंगों में आकृतियों का लयबद्ध प्रवाह और बहती हुई रेखाएँ उनकी पेंटिंग की खास पहचान हैं। उनका काम अक्सर बहुत शानदार होता है और उनकी अपनी एक अलग शैली है। आशीष का पक्का विश्वास है कि उनकी कलाकृतियाँ सकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं, जिससे देखने वाले और आस-पास के माहौल में नई जान आ जाती है। वे गहरे सुकून की अवस्था में अपनी कला बनाते हैं, वही शांति जिसे वे कला के चाहने वालों तक पहुँचाना चाहते हैं।

अपनी कला यात्रा में भावना जी पारंपरिक विषयों के साथ ही समकालीन विषयों, त्योहारों तथा साहित्यिक कृतियों को भी फड़ शैली में अभिव्यक्त करने का प्रयास करती हैं। प्रदर्शनी में कानपुर से नेहा मिश्रा जो 'गुरुकुल आर्ट गैलरी' में विगत 5 वर्षों से क्यूरेटर एवं कन्वीनर के पद पर कार्यरत हैं, के चित्र भी प्रदर्शित है। वरिष्ठ कलाकार अजीत वर्मा जिनके चित्रकला का विशिष्ट गुण है मानव और पक्षी आकृतियों का अद्भुत संयोजन। यह रूपक न केवल उनकी कल्पना की उर्वरता को दर्शाता है, बल्कि मनुष्य प्रदर्शित एवं प्रशंसित होती रहती हैं के चित्र भी यहाँ प्रदर्शित हैं। देहरादून से ही कलाकार मोहम्मद मोईन जो व्यक्तिचित्र, प्राकृतिक दृश्य चित्रण, सांस्कृतिक, पहाड़ी जन जीवन व उत्तराखंड के प्राकृतिक दृश्यों पर लगातार चित्रण कर रहे हैं, की भी उपस्थिति है। नंदिनी छेत्री जिनके कृतियों में उच्च विचारों की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलकती है, ने कला निरन्तर अपने प्रयास से सीखी हैं। तैल चित्रकार तरन्नुम उस्मानी की कलाकृतियाँ, प्राकृतिक सुंदरता एवं मानवीय सरोकारों के इर्द-गिर्द घूमती प्रतीत होती है। बुलन्दशहर के कलाकार बॉबी राजवंशी, जो दोनों हाथों से पेंटिंग बना सकते हैं, जिनका उद्देश्य केवल चित्र बनाना नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कृति और आध्यात्मिक विचारों को लोगों तक पहुँचाना है। 'कैनवास कथा' की माधवी ठाकुर, जो भावनाओं, कल्पना और अभिव्यक्ति को सार्थक कलाकृतियों में पिरोने की अद्वितीय क्षमता रखती हैं, की कलाकृतियाँ प्रकृति और उसकी शाश्वत सुंदरता से गहराई से प्रेरित हैं तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्राकृतिक संसार के सार को प्रस्तुत करती हैं। मुंबई

इस आयोजन के साथ प्रतिवर्ष बहन संतोष की स्मृति में चयन समिति द्वारा नामित एक कलाकार को 'संतोष स्मृति कलाचर्चा सृजन सम्मान' भी दिया जाता है। जिसमें 21000 रुपए (इक्कीस हजार रुपए) नकद, शॉल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

प्रदर्शनी में डॉ अनिल श्रीमाली, चंद्रशेखर काले, मनीष बाफना, राजेश सिंह, डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, वीर नारायण आर्य, प्रभु लाल मोरवाल, ओमप्रकाश कुमावत, नरेन्द्र डग्गा, नीलम नियाज़ी, भावना राठौड़, हिमाक्षी शर्मा, सुषमा सिंह, सुरेन्द सिंह, प्रो. सरोज रानी, स्निग्धा कुमार, सीमा गोठी, सीमा परवेज, अरविंद गैरोला, कर्नल विजय दुग्गल, चन्द्र बहादुर रिसाले, सतपाल गांधी, बॉबी राजवंशी, सचिव गौतम, डॉ. संतोष साहनी, आदि कलाकारों की कृतियाँ भी प्रदर्शित है ।

योग

विनोद आर्य
(वरिष्ठ पत्रकार)

93 वर्ष की उम्र में भी योग का उजाला

आज जब बढ़ती उम्र को अक्सर शारीरिक सीमाओं और निष्क्रियता से जोड़कर देखा जाता है, तब सागर के 93 वर्षीय योगाचार्य विष्णु आर्य इस धारणा को चुनौती देते दिखाई देते हैं। जीवन के नौ दशक पार कर चुके विष्णु आर्य आज भी उसी ऊर्जा, समर्पण और अनुशासन के साथ योग साधना और योग प्रशिक्षण में जुटे हैं, जैसे कोई युवा साधक अपने जीवन की शुरुआत में होता है। पिछले लगभग सात दशकों से योग को अपना जीवन समर्पित कर चुके विष्णु आर्य न केवल स्वयं स्वस्थ जीवन का उदाहरण हैं, बल्कि हजारों लोगों को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी दे रहे हैं।

विष्णु आर्य

सागर में स्थापित उनका संस्थान 'योग निकेतन' वर्षों से योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य का मार्ग दिखा रहा है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग योग सीखने और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने पहुंचते हैं। विष्णु आर्य का व्यक्तित्व यह संदेश देता है कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है।

उनकी जीवटता का सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में देखने को मिला। दिसंबर 2025 में कूल्हे की हड्डी टूट जाने के कारण उन्हें लंबे समय तक बिस्तर पर रहना पड़ा। उम्र के इस पड़ाव में ऐसी चोट सामान्यतः किसी भी व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर कर सकती है, लेकिन विष्णु आर्य ने इसे भी अपनी इच्छाशक्ति के बल पर परास्त कर दिया। चिकित्सकीय देखभाल, नियमित अनुशासन और सकारात्मक सोच के कारण उनकी हड्डी बिना ऑपरेशन के ही जुड़ गई। ढाई महीने के विश्राम के बाद वे फिर अपने प्रिय कार्य में लौट आए। आज वे वॉकर के सहारे चलते हैं, लेकिन उनकी दिनचर्या में योगाभ्यास और योग प्रशिक्षण दोनों शामिल हैं। वे स्वयं अभ्यास करते हैं और दूसरों को भी योग का महत्व समझाते हैं।

विष्णु आर्य की योग यात्रा वर्ष 1954 में आरंभ हुई। बचपन से ही उन्हें व्यायाम, अखाड़े और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में रुचि थी। आर्य समाज के संतों के संपर्क में आने के बाद उनका झुकाव योग की ओर बढ़ा और धीरे-धीरे यह रुचि जीवन का उद्देश्य बन गई। वर्ष 1968 में रायगढ़ में आयोजित विश्व योग सम्मेलन में उन्होंने प्रसिद्ध योग गुरु स्वामी सत्यानंद सरस्वती से दीक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने देशभर में भ्रमण कर योग का प्रचार-प्रसार किया और हजारों लोगों को प्रशिक्षण दिया।

इसी वर्ष उन्होंने सागर में 'योग निकेतन' की स्थापना की, जो बिहार के मुंगेर स्थित प्रसिद्ध योग परंपरा से प्रेरित है। समय के साथ यह संस्थान योग शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया। विष्णु आर्य ने मध्यप्रदेश योग परिषद और मध्य प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन में महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा उन्होंने आर्मी स्कूल और पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में भी योग प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दीं। उनके मार्गदर्शन का लाभ मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लोगों ने भी प्राप्त किया है।

विष्णु आर्य का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली मनुष्य को अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं की ओर धकेल रही है। तनाव, अवसाद, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और अनियमित दिनचर्या ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। उनके अनुसार योग इन सभी चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। वे अक्सर कहते हैं कि योग केवल आसनों और प्राणायाम का अभ्यास नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला और विज्ञान है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करता है।

योग के क्षेत्र में उनके सात दशक लंबे योगदान को अनेक मंचों पर सम्मान मिला है। उन्हें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा रामजी महाजन पुरस्कार और स्वामी विवेकानंद योग पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। हाल के वर्षों में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी नवाजा गया। मध्यप्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने समय-समय पर उनके योगदान का सम्मान किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर उनका उत्साह आज भी किसी युवा कार्यकर्ता जैसा है। वे मानते हैं कि योग को वैश्विक पहचान मिलने से पूरी दुनिया में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उनके लिए योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि मानव कल्याण का आंदोलन है। 93 वर्ष की आयु में भी विष्णु आर्य जिस समर्पण और ऊर्जा के साथ योग की मशाल जलाए हुए हैं, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि यदि मन में संकल्प, जीवन में अनुशासन और विचारों में सकारात्मकता हो तो उम्र केवल एक संख्या बनकर रह जाती है।

ऐतिहासिक मांडू नगरी के 'जहाज महल' के आंगन में गूंजा योग का संदेश

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, महामंडलेश्वर नरसिंह दास महाराज , कलेक्टर, एसपी के सानिध्य में मांडू में हुआ जिला स्तरीय आयोजन

धार। ऐतिहासिक पर्यटन नगरी मांडू के विश्वप्रसिद्ध 'जहाज महल' के आंगन में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गरिमामय भव्य, दिव्य रूप में मनाया गया। सदियों पुरानी पुरातात्विक धरोहर के बीच हज़ारों नागरिकों ने एक सुर में योग किया। जिला स्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। महामंडलेश्वर नरसिंह दास महाराज, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, एसपी सचिन शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री का संदेश: 'योग मानव जीवन का प्रकाश और संतुलन का आधार'- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का राष्ट्र के नाम संदेश बेहद एकाग्रता के साथ सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में पूरे मानव समाज को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि-'योग सबको जोड़ता है। भारत में हम जानते हैं और देखते आये हैं कि योग मानव जीवन का चेतना के साथ, ऊर्जा के साथ प्रकाश भी है। संतुलन ही योग का आधार है। इस अवसर पर करोड़ो लोग योग से जुड़ रहे हैं और हमें योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।' इसी दिव्य संदेश को आत्मसात करते हुए इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया।

समाज के हर वर्ग ने मिलकर दिया 'स्वस्थ आयु के लिए योग' का संदेश- जहाज महल के इस भव्य आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता समाज के हर तबके की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं , सामाजिक संगठनों, महिला मंडलों और योग सोसायटियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

वरिष्ठ अधिकारी और पुरातत्व विभाग की टीम की रही उपस्थित- केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल से नितिन श्रीवास्तव, अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. शिवकांत वाजपेई, सहायक अधीक्षण पुरातत्व अभियंता चितरंजन कुमार, संरक्षण सहायक मांडू प्रशांत पाटनकर तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रमिला चौहान उपस्थित रहे और सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की।

धरोहर के साए में 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' का अभ्यास- प्रातः 7 बजते ही जहाज महल का पूरा परिसर योगमय हो गया। अतिथियों, अधिकारियों, युवाओं और समाजसेवियों ने योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' के अनुसार विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान का सामूहिक अभ्यास किया। इससे पूर्व प्रातः 6:30 बजे कोलकाता से राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया।

न्यायालय परिसर में विश्व योग दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर के साथ जागरुकता कार्यक्रम

सोहागपुर। विश्व योग दिवस के अवसर पर तहसील न्यायालय परिसर में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नर्मदापुरम के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष श्री अतुल सक्सेना, अपर सत्र न्यायाधीश, सोहागपुर के आदेशानुसार विधिक साक्षरता शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रथम अपर जिला न्यायाधीश श्री अतुल सक्सेना एवं श्री तेजदीप सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोहागपुर के मार्गदर्शन में आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्री अतुल सक्सेना ने विश्व योग दिवस के अवसर पर योग के महत्व पर विस्तृत सारगर्भित उद्बोधन देकर मानव जीवन के स्वास्थ्य संबंधी लाभों के संबंध में जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य नागरिकों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जीवनशैली अपने से शरीर को स्वस्थ कैसे रखे जाने के प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों को ऊर्जावर्धक फल एवं पेय पदार्थों का वितरण किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विधायक नीना वर्मा की उपस्थिति में हुआ

योग के संकल्प के साथ ही उपस्थित जनसमुदाय को दिलाई गई 'नशा मुक्ति की शपथ'

धार। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में '12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर भव्य जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक नीना विक्रम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न वर्गों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह और ऊर्जा के साथ सामूहिक योग अभ्यास किया।

योग प्राचीन भारतीय संस्कृति का अनमोल उपहार: विधायक नीना वर्मा- मुख्य अतिथि विधायक नीना विक्रम वर्मा ने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का अनमोल उपहार है, जो न केवल शरीर को निरोगी रखता है बल्कि मन को भी सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। विधायक ने आयुष प्रोटोकॉल के तहत किए गए सभी आसनों और प्राणायाम का पूरी तन्मयता से अभ्यास

किया। कार्यक्रम के समापन पर विधायक की उपस्थिति में सभी को नियमित योग करने के संकल्प के साथ-साथ 'नशा मुक्ति की शपथ' भी दिलाई गई।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित: मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अभिषेक चौधरी, तहसीलदार दिनेश कुमार उइके, जनपद सीईओ के. के. खेड़े और नगर पालिका सीएमओ वी. के. सिंह उपस्थित रहे । जिला आयुष नोडल डॉ. अतुल तोमर, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी सुषमा वैश्य, सहायक संचालक जनजाति विभाग आनंद पाठक, साईं के प्रशासक नरेश भावसार एवं बीआरसी भरतराज राठौर ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता कर योग किया।

मंच से मिला आयुष प्रोटोकॉल का विधिवत प्रशिक्षण: मुख्य मंच पर योग आयोग समिति के जिला अध्यक्ष जगदीश चंद्र शर्मा एवं जिला योग प्रभारी रमेश चंद्र कश्यप की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयुष प्रोटोकॉल के अनुसार योग प्रशिक्षिका नेहा द्वारा उपस्थित जनों को विभिन्न आसन, प्राणायाम, ध्यान, ज्ञान और संकल्प का क्रमबद्ध और विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जनभागीदारी से सफल हुआ आयोजन: इस जिला स्तरीय वृहद आयोजन में नगर के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों, उत्साही विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, स्वयंसेवी व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पतंजलि योग संस्था के सदस्यों सहित भारी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं और पुरुषों सहित लगभग 400 से अधिक लोगों ने अत्यंत उत्साह के साथ हिस्सा लेकर योग दिवस को सफल बनाया।

योग से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक विकास संभव : खंडेलवाल

मेजर ध्यानचंद हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित हुआ जिलास्तरीय सामूहिक योग कार्यक्रम

स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर जिले भर में नागरिकों ने किया योग

बैतूल। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिलेभर में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से अभिनंदन सरोवर के समीप स्थित मेजर ध्यानचंद हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम बैतूल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, जन अभियान प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पंवार उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन, वन मंडल अधिकारी अरिहंत कोचर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी स्कूली विद्यार्थी, पतंजलि, आर्ट ऑफ लिविंग, हार्ट फूलनेस आदि संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग निर्धारित की गई। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 1500 से अधिक लोगों ने एक साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर योगाभ्यास कार्यक्रम की शुरुआत की। आयुष विभाग के डॉक्टरों ने अतिथियों को लक्ष्मी तरु का पौधा भेंट किया। तत्पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कार्यक्रम स्थल पर किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने कटिचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, दंडासन-पद्मासन, वज्रासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, शवासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं नाड़ी शोधन प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास भी कराया गया।

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक : हेमंत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई और आज यह पूरी दुनिया में एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने बताया कि योग दिवस की शुरुआत के समय 84 देशों ने इसमें भागीदारी की थी, जबकि वर्तमान में दुनिया के लगभग 135 देशों में एक साथ योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पहली बार किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक मंच पर नई प्रतिष्ठा दिलाई। योग जो भारत की पहचान रहा है, आज विश्व भर में स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवनशैली का प्रतीक बन गया है। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। योग के माध्यम से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के अनेक देशों में योग के प्रति लोगों की रुचि और स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपने जीवन में अपनाने तथा परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ का आह्वान-365 दिन योग, स्वस्थ और खुशहाल जीवन

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्यविधाता भवन में विशेष योग एवं राजयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माउंट आबू से पधारी डॉ. लीना दीदी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित और

सकारात्मक जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास सेव्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनता है। इस अवसर पर बीके मंजू दीदी ने योग एवं राजयोग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी उपस्थित भाई-बहनों को वर्ष के 365 दिन योग करने का संकल्प कराया। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में खेल शिक्षक कमलेश देवकाते ने सभी को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उपस्थित भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक योग एवं प्राणायाम कर स्वस्थ जीवन का संदेश ग्रहण किया।

किराड़ कर्मचारी समिति ने सीए बनने पर किया सम्मान

कोलगांव/ बैतूल। जिला किराड़ कर्मचारी समिति द्वारा यशपाल चौरे पिता चंद्रकिशोर चौरे निवासी काजली का सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं सीए बनने पर सम्मान किया। समिति सदस्यों ने यशपाल चौरे को बधाई प्रेषित करते हुए अपने प्रेरणादाई उद्बोधन में कहा कि समाज के ऐसे होनहार बच्चों ने बैतूल जिले का नाम रोशन किया है और आगे भी किराड़ कर्मचारी समिति बैतूल ऐसे प्रतिभावान बच्चों को प्रेरित करने के लिए सम्मान करते रहेगी। सम्मान समारोह में संजय घीडोडे, प्रवीण नरवरे, सूरजलाल हारोड़े, परशराम झाड़े, सहित किराड समाज के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम आरोन सुश्री मंजुषा खत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

गुना (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सुश्री मंजुषा खत्री द्वारा आज खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान यूसीसी फीडबैक पंजीयन अभियान की प्रगति की जानकारी ली गई तथा अधिक से अधिक पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। एसडीएम सुश्री खत्री ने अधिकारियों से शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने को कहा। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायालय परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

मुरैना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्रीमती संगीता मदान की अध्यक्षता में शुक्रवार को एडीआर भवन, जिला न्यायालय परिसर मुरैना में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संगीता मदान ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आयोजित शिविर में जिला चिकित्सालय मुरैना की चिकित्सक एवं पैरामेडिकल टीम द्वारा न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यकता अनुसार परामर्श प्रदान करने के साथ ही दवाइयों का भी वितरण किया गया। शिविर में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, कर्मचारी तथा जिला चिकित्सालय मुरैना के चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।

गौरी सरोवर पर अतिक्रमण हटाने की हुई कार्रवाई

भिण्ड (निप्र)। एसडीएम भिण्ड व सीएमओ भिण्ड की मौजूदगी में गौरी सरोवर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की गई। प्रशासन ने इलाके में अवैध निर्माण और ठेलों को हटवाया। अधिकारियों ने बताया कि आगे व्यापक निगरानी व नियमित समीक्षा कर अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही आगाह किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोहद जल प्रदाय परियोजना के निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का एडीबी विशेषज्ञों ने किया निरीक्षण

भिण्ड (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा क्रियान्वित गोहद जल प्रदाय परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण आज एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की विशेषज्ञ सुश्री रुपोस्त्रोता कहाली एवं श्री कार्लिटो द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने परियोजना की प्रगति, निर्माण गुणवत्ता एवं विभिन्न घटकों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही एडीबी विशेषज्ञों ने स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की। जनप्रतिनिधियों ने परियोजना की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में बेहतर एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर परियोजना प्रबंधन इकाई भोपाल से परियोजना अधिकारी श्री शैलेन्द्र गुप्ता, श्री यू.वी. चौबे तथा सहायक परियोजना अधिकारी श्री दिनेश प्रजापति, परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के टीम लीडर श्री दीपक सहित पीआईयू ग्वालियर का पूरा दल एवं सभी संबंधित उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु क्रियान्वित की जा रही है।

शिशुगृह का किया गया औचक निरीक्षण बच्चों की देखभाल और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दतिया (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविंद कुमार उपाध्याय एवं संरक्षण अधिकारी श्री धीर सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को रोशनी शिशुगृह, दतिया का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संस्था की साफ-सफाई, बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निरीक्षण पंजी, आवश्यक अभिलेखों एवं दस्तावेजों की भी गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी ने शिशुगृह में निवासरत बच्चों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, पढ़ाई-लिखाई एवं दैनिक दिनचर्या की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया तथा किचन एवं स्टोर रूम का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, मेन्यू चार्ट और पोषण स्तर की समीक्षा की। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सभी बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार समय पर गर्म एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। अधिकारियों ने शयनकक्ष, शौचालय, खेल क्षेत्र एवं परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण करते हुए बच्चों के उपयोग की वस्तुओं की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही उपस्थिति पंजी, स्वास्थ्य जांच रजिस्टर, स्टाफ रोस्टर एवं सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत फाइल अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

विश्व योग दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं आमजनों के साथ किया योगाभ्यास

योग शरीर को स्वस्थ रखने की कला है इसे दिनचर्या में शामिल करें : शुक्ल

भोपाल। 12वां विश्व योग दिवस उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स रीवा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल तथा सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, स्थानीय नागरिकों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक योग किया। समारोह में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री कैलाश जाटव, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, उपाध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण डॉ. अजय सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने भी सामूहिक योगाभ्यास किया। समारोह में कोलकाता में आयोजित विश्व योग दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि योग शरीर को स्वस्थ रखने की कला है। योग को दिनचर्या में शामिल करने से हम अपने स्वास्थ्य को ठीक रख सकते हैं। महर्षि पतंजलि ने देश व समाज को योग से अवगत कराया। इस प्राचीन ज्ञान को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पदभार ग्रहण करने के बाद वर्ष 2014 से जनजन तक पहुंचाने का प्रयास किया। बाबा रामदेव ने भी योग को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग आज विश्वव्यापी हो गया है। चीन, जापान से लेकर यूरोप और अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग योग से जुड़े हुए हैं। विश्व योग दिवस दुनिया का सामूहिक योगाभ्यास का सबसे बड़ा कार्यक्रम बन गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व भर में लोग योग और ध्यान को अपनाकर भारत को विश्व गुरू के रूप में प्रतिष्ठित कर रहे हैं। योग ने विश्व को शांति और मानसिक संतुलन का मार्ग दिखाया है। हम सब प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट अपने मन और तन को स्वस्थ रखने के लिए योग करें। जब मन में निराशा छा जाती है तो उससे मुक्त होने का मार्ग योग और ध्यान ही दिखाते हैं। हमारा मानसिक संतुलन यदि ठीक न हो तो गलत राह में कदम चले जाते है। हम सब स्वयं नियमित योगाभ्यास करें और अपने आसपास के व्यक्तियों को भी इससे जोड़ने का प्रयास करें। हमारी परंपरा पूरी दुनिया को परिवार मानकर शांति बनाए रखने की रही है। विश्व शांति में हम सब मिलकर योगदान दें।

विश्व योग दिवस पर जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायतों में भी सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी शिक्षण संस्थाओं तथा आयुष विभाग के आरोग्य मंदिरों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में सामूहिक योगाभ्यास किया गया। स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योगाभ्यास कराया। सामूहिक योगाभ्यास में संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. शिवराम साकेत, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शारदा मिश्रा, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी, संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी, सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा सहित विद्यार्थी, गणमान्य नागरिक पुलिस अधिकारी तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि सामूहिक योगाभ्यास में शामिल हुए।

समीपवर्ती ग्राम शोभापुर के श्री बाहेती माहेश्वरी समाज नर्मदापुरम् अध्यक्ष बनने से प्रसन्नता

सोहागपुर। समीपवर्ती छोटे से कस्बे शोभापुर निवासी नवनियुक्त माहेश्वरी समाज नर्मदापुरम अध्यक्ष श्री जगमोहन जी बाहेती पिता श्री प्रहलाददास बाहेती ग्राम शोभापुर को निरंतर मिल रही है बधाईयां। श्री बाहेती को घनश्याम दास डांगरा बनखेड़ी, विवेक जवांधिया ठेनी, विजय राठी इटारसी, गोविंद झंवर पिपरिया, मुरली मूंदड़ा शोभापुर, डा.राजेश माहेश्वरी नर्मदापुरम, संपत सारडा सिवनी, अरविन्द माहेश्वरी माखननगर,

मंगेश माहेश्वरी सेमरी, जगमोहन चट्टानी,वरिष्ठ अधिवक्ता जयप्रकाश माहेश्वरी सोहागपुर आदि ने बधाईयां प्रेषित की है। वरिष्ठ अधिवक्ता जयप्रकाश माहेश्वरी ने इस प्रतिनिधि को बताया कि श्री जगमोहन बाहेती की शिक्षा एम.एससी. (गणित) तक की है। वहीं आप कुशल एवं ओजस्वी वक्ता,अत्यंत मृदुभाषी, मितभाषीदूरदर्शिता पूर्ण निर्णय क्षमतासमाज सेवा के प्रति समर्पित भावना से ओत-प्रोत है। इसके पूर्व आप होशंगाबाद-हरदा जिला युवा संगठन के प्रथम सचिव मनोनीत दो कार्यकाल तक जिला युवा संगठन के अध्यक्ष,प्रादेशिक युवा संगठन द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ जिला अध्यक्ष' के रूप में सम्मानित,पूर्व अध्यक्ष - माहेश्वरी युवा संगठन शोभापुर,पूर्व अध्यक्ष क्षेत्रीय युवा संगठन शोभापुर,पूर्व अध्यक्ष -स्वास्थ्य एवं पेयजल समिति, ग्राम पंचायत शोभापुर ,पूर्व अध्यक्ष - निगरानी समिति, ग्राम पंचायत शोभापुर वर्तमान में कोषाध्यक्ष नर्मदापुरम जिला माहेश्वरी सभा,सदस्य-मध्य पूर्वी माहेश्वरी प्रादेशिक सभाअध्यक्ष - सरस्वती शिशु मंदिर शोभापुर पर अपना नेतृत्व, मार्गदर्शन और संगठन के प्रति समर्पित रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता जयप्रकाश माहेश्वरी ने कहा कि माहेश्वरी समाज नर्मदापुरम अध्यक्ष के रूप में आप समाज को नई दिशा देगा और नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे । ऐसी आशा है।

विश्व योग दिवस पर अटल उद्यान में योग का आयोजन, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, राजनीतिक हुए शामिल

सोहागपुर। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विकासखंड की समस्त शासकीय स्कूलों में तथा विकासखंड स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन अटल उद्यान में नगर पंचायत परिषद एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस विकासखंड कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी सुश्री प्रियंका भल्लावी , तहसीलदार रामकिशोर झरवडे नगरपालिका अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा , नगर पंचायत उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी ,भाजपा मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज ,बीआरसी

राकेश रघुवंशी सहित विभिन्न शालाओं के शिक्षक विद्यार्थी एवं शहर के गणमान्य नागरिक ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विश्व योग कार्यक्रम का संचालन एवं योगाभ्यास सांदीपनि प्राचार्य रामकिशोर दुबे एवं आर एन सिंह ने किया। योग जीतेन्द्र बैरागी ने करवाया । श्री बैरागी ने प्रतिभागियों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है। इस प्राचीन योग को आज पूरा विश्व अपना रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने का संदेश विश्व के कोने-कोने तक पहुंचा दिया है। जिससे विश्व के सैकड़ों देश के नागरिक अपना कर अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी,शिक्षक, जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मोहर्रम का त्योहार शांति एवं सौहार्द्र पूर्ण तरीके से मनाएं एसडीएम सुश्री भल्लावी, शांति समिति की बैठक संपन्न

सोहागपुर। मोहर्रम को लेकर नवीन थाना परिसर में शांति की बैठक अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर एसडीओ पुलिस संजू चौहान, नवपदस्थ नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी, ब्लाक मेडीकल आफीसर डॉ रेखा गौर, नगरपालिका अधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा,उप निरीक्षक राहुल पटेल बावड़ी वाले मंदिर के महंत हरिकिशनदास, शंभू दरबार के पंडित प्रकाश मनमोहन मुद्गल आदि उपस्थित थे। इस बैठक में एसडीओ पुलिस संजू चौहान ने नवनियुक्त नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी का परिचय कराया। वहीं उपस्थित जनों ने भी अपना अपना परिचय दिया। अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी ने कहा कि मोहर्रम का त्योहार शांति एवं सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाएं। इसके पूर्व आपने मोहर्रम के जूलूस निकालने की विस्तृत जानकारी ली। मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान मोहर्रम की जानकारी देते बताया कि वर्तमान में तारे के कारण दस फुट के ताज़िए बनाए जा रहे हैं। नगर में करीबन 50 ताज़िए पुराने थाने के पीछे रखे जाएंगे। दूसरे दिन रघुवंशी पुरा के पास रखने के उपरांत कर्बला में विसर्जित किए जाएंगे।इस के साथ सवारियां में निकलेगी। बड़ी सवारियां विश्राम गृह आदि से निकलेगी। आपने रास्ते में वाहनों को हटाने की बात भी कही। नगर निरीक्षक गिरीश त्रिपाठी ने मोहर्रम क्यों मनाया

जाता है कि पुरानी परम्परा से अवगत करवाया। एसडीओ पुलिस संजू चौहान ने कहा कि ग्राम शोभापुर, ग्राम सेमरीहरचंद एवं सोहागपुर में सोशल मीडिया पर ऐसी कोई बात शेयर न करें जिससे साम्प्रदायिकता सोहार्द की समस्या उत्पन्न हो। इस पर पंडित प्रकाश मनमोहन मुद्गल एवं महंत हरिकिशनदास ने कहा कि सोहागपुर नगर साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए जाना जाता है। यह ऐसी कोई परिस्थितियों उत्पन्न होती हैं। अंत में पुनः अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी ने शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि मोहर्रम को उत्सव सोहार्द पूर्ण तरीके में बनाएं। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, विजय छाबड़िया नन्नू भैया, नपा उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, ब्लाक भाजपा अध्यक्ष अश्विनी सरोज, पार्षद गौरव पालीवाल, पार्षद जमील ख़ान, पूर्व पार्षद जगदीश अहिरवार,नीरज चौधरी, कांग्रेस नेत्री सुरेखा शाह, वकील अखिलेश मालवीय, युवक कांग्रेस के श्री चौरसिया ,सौरभ सोनी , भाजपा के श्री रघुवंशी, हुसैन खान, मुस्ताक बाबा, कय्यूम बाबा, आरिफ शेख, आदाब खान सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कोलारस के ग्राम पचावली में प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह कृषक संगोष्ठी का हुआ सफल आयोजन

शिवपुरी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य आयोजित विशेष अभियान के अंतर्गत ग्राम पचावली, विकासखंड कोलारस में प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह कृषक संगोष्ठि का आयोजन कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री महेन्द्र सिंह यादव रहे।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्री भारत सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा श्री विपिन खेमरिया, पूर्व विधायक श्री प्रहलाद भारती, जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य श्री हरवीर रघुवंशी, श्री योगेन्द्र रघुवंशी एवं क्षेत्रीय सरपंच, जनपद सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा

कार्यशाला में वर्तमान समय में किसान भाई प्राकृतिक खेती को अपनाकर कम लागत में अधिक मुनाफा कैसे कमायें इस पर विस्तार से चर्चा की गई।

तकनीकी सत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.मुकेश कुमार भार्गव एवं डॉ.नीरज कुशवाह द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। उपसंचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य द्वारा कार्यशाला में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव, जैव आदानों की तैयारी, प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल तथा किसानों की आय वृद्धि के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुरैना से पधारे वैज्ञानिक श्री सुनील कुमार कटारिया एवं डॉ. अभिषेक बादल द्वारा उपस्थित किसाना भाईयों को जीवामृत घनजीवामृत नीमास्त्र आदि बनाने एवं उपयोग की विधि से किसानों को अवगत कराया।कार्यक्रम के अंत में अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री मनोज कुमार रघुवंशी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री कल्लू कोली के द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं किसान भाईयों का आभार प्रकट कर समापन किया गया।

बानमौर छात्रावास के मोनू नागोरिया बने पुलिस आरक्षक प्रथम प्रयास में हासिल की सफलता

मुरैना (निप्र)। दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और अनुशासित जीवनशैली किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे बड़ी कुंजी है। इस तथ्य को सिद्ध करते हुए शासकीय महाविद्यालयीन अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, बानमौर के छात्र मोनू नागोरिया ने मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। उनकी उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि छात्रावास, ग्राम और जिले के लिए भी गौरव का विषय बनी है। तहसील जौरा के ग्राम थेहा (ग्राम पंचायत बुढ़ावली) निवासी मोनू नागोरिया, श्री मोहर सिंह नागोरिया के पुत्र हैं तथा वर्तमान में डी. फार्मा की पढ़ाई कर रहे हैं। छात्रावास में रहते हुए उन्होंने नियमित अध्ययन, समयबद्ध दिनचर्या और ऑनलाइन माध्यम से सतत स्वाध्याय को अपनी सफलता का आधार बनाया। कठिन परिश्रम और लगन के बल पर उन्होंने पुलिस आरक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा प्रथम प्रयास में ही सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर ली। लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद मोनू ने चयन प्रक्रिया के अगले चरण के लिए लगभग दो माह तक नियमित एवं कठोर शारीरिक प्रशिक्षण किया।उनकी अथक मेहनत, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम रहा कि उन्होंने अंतिम चयन सूची में स्थान बनाते हुए मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक पद प्राप्त किया।

■ ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक में मेला विकास के संबंध में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

मेला परिसर में लगेगा श्रावण मेला, मेला परिसर में वृहद वृक्षारोपण भी किया जायेगा

ग्वालियर (निप्र)। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष श्रावण मेले का आयोजन किया जायेगा। यह मेला 20 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित किया गया है। ग्वालियर व्यापार मेले के संचालक मंडल की 50वी बैठक शुक्रवार को मेला प्राधिकरण में आयोजित हुई। प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जदौन की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में मेले के विकास के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ग्वालियर मेला प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष श्री उदयवीर सिंह गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, मेला सचिव श्री सुनील त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संचालक मंडल की बैठक में मेला परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से राजमाता उद्यान से संस्कृति गार्डन तथा एमआईटीएस वाली रोड तक बाउण्ड्रीवॉल का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया है। इसके साथ ही गोदाम बस्ती के पास वाली भूमि का कॉमर्शियल उपयोग करने के लिये प्रस्ताव तैयार करने एवं एलओआई जारी कर आगामी बैठक में विषय रखने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही मेला आयोजन

के दौरान प्रशासनिक भवन तैयार करने का निर्णय भी लिया गया है। मेले के दौरान महिलाओं के लिये पृथक से शौचालय निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही मेला परिसर में 196 नवीन दुकानों के निर्माण कराने के निर्णय का भी अनुमोदन किया गया है। मेला परिसर में स्थित एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेंटर की मरम्मत एवं संधारण का कार्य कराने का भी निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही मेला परिसर में सुबह एवं शाम घूमने आने वाले लोगों के लिये वॉकिंग ट्रैक निर्माण कराने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। उपाध्यक्ष श्री उदयवीर सिंह ने बैठक में पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए मेला परिसर में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कराने का प्रस्ताव रखा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वृहद वृक्षारोपण हेतु प्रस्ताव तैयार करने की बात कही। मेला परिसर में सौर ऊर्जा विकास के माध्यम से सोलर प्लांट लगाने का निर्णय भी लिया गया।

मेला आयोजन के संबंध में सुझाव लिए

ग्वालियर मेला प्रांगण में व्यापारिक संघ के साथ चर्चा कर आगामी मेले को और व्यवस्थित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में व्यापारी संघ द्वारा मेला अवधि 2 माह रखने, मीना बाजार को व्यवस्थित बनाने, मेला परिसर में महिला शौचालय, मेला अवधि में पार्किंग व्यवस्था बेहतर बनाने, साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिये अपने अमूल्य सुझाव दिए गए। जिस पर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने अपनी सहमति प्रदान की एवं आगामी मेला को भव्य बनाने का आश्वासन दिया। मेला व्यापारी संघ की ओर से श्री महेन्द्र भदकारिया, श्री बलवीर सिंह, श्री महेश मुदगल, श्री अनिल पुलियानी, श्री उमेश उप्पल, श्री अनुज गुर्जर, श्री जगदीश उपाध्याय एवं पं. विजय कब्जू उपस्थित थे।

नर्मदा परिक्रमा यात्री के जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन लाती है

भोपाल। नर्मदा परिक्रमा यात्री के जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन लाती है। यह हमने स्वयं महसूस किया है। इस यात्रा का सुफल अहंकार के त्याग और जीवन में अपरिग्रह भाव जागृत होने में है। यह बात ओपी श्रीवास्तव सेवा निवृत्त आईएएस अधिकारी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती भारती श्रीवास्तव ने नर्मदा परिक्रमा के अपने संस्मरण सुनाते हुए कही। इस संस्मरण गोष्ठी का आयोजन श्री अरविंदो सोसाइटी तुलसी नगर भोपाल ने श्री आरो मंदिर में किया था।

विषय था नर्मदा परिक्रमा: एक आध्यात्मिक यात्रा।' इस सार्थक आयोजन में श्रीवास्तव दंपति ने अपनी पांच माह की पैदल नर्मदा परिक्रमा के दौरान हुए अनुभवों, आध्यात्मिक अनुभूतियों एवं जीवन दृष्टि की सुविचारित व्याख्या की तथा श्रोताओं से संवाद किया। अपने अनुभव साझा करते हुए श्रीवास्तव दंपति ने कहा कि नर्मदा यात्रा उनके जीवन का अपूर्व अनुभव रही है। इसने उन्हें न केवल उनके जीवन को समृद्ध किया बल्कि वो अपने भीतर गहरा आध्यात्मिक परिवर्तन भी महसूस कर रहे हैं। यह सनातन की दिव्य अनुभूति है और सांसारिक जीवन की असारता का साक्षात अनुभव है।

आरंभ में श्रीमती भारती श्रीवास्तव, जो स्वयं भी शासकीय अधिकारी रही हैं, ने नर्मदा नदी और उसके महात्म्य को समझाते हुए कहा कि नर्मदा अजर नदी है। इसका पुराणों में विशेष महत्व है। कहा जाता है कि नर्मदा कभी नहीं मिटेगी। उन्होंने बताया कि नर्मदा परिक्रमा दोनों ने गत वर्ष दिसंबर में प्रारंभ की थी और नदी को दोनो किनारों पर पैदल चलते हुए उन्हें करीब 5 माह लगे। यह समूची यात्रा लगभग 2600 किलोमीटर की रही है। अपने उद्गम स्थल पर तो नर्मदा बहुत छोटी सी धारा के रूप में बहती है। अमरकंटक विंध्य और सतपुड़ा को जोड़ने वाली पर्वत श्रृंखला मैकल से निकलती है। इसीलिए इसे मैकलसुता भी कहा जाता है। जैसे जैसे नर्मदा आगे बढ़ती जाती है, इसके तट पर कई तीर्थ, आश्रम और मंदिर मिलते हैं।

ओ.पी.श्रीवास्तव ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि समूची यात्रा मनुष्य मात्र में आस्था जगाने वाली है। हमे ज्यादातर सकारात्मक अनुभव ही हुए। नर्मदा परिक्रमा करने वालों को परिक्रमावासी कहा जाता है। सभी जगह परिक्रमावासियों के साथ आदर और प्रेम का व्यवहार किया जाता है। यह परिक्रमा वस्तुतः एक संकल्प की सिद्धि है, क्योंकि बहुत ही सीमित साधनों के साथ की जाने वाली इस यात्रा में मानो सारी व्यवस्थाएं अपने आप होती जाती हैं। नर्मदा तट पर रहने वालों के मन में नर्मदा मैया के प्रति अगाध श्रद्धा है। पौराणिक ग्रंथों में इसका वर्णन है कि जो भक्त नर्मदा की परिक्रमा करता है, उसे अनेक जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है। नर्मदा तट पर स्थित ओंकारेश्वर, अमरकंटक, महेश्वर, और तिलकवाड़ा जैसे स्थान आध्यात्मिक ऊर्जाओं के केंद्र माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पूरी तरह शास्त्रोक्त पद्धति से पैदल परिक्रमा की जाए तो इसमें 3 वर्ष, 3 माह और 3 दिन का समय लगता है। यह यात्रा मनुष्य को धैर्य, सेवा, त्याग और प्रेम की भावना सिखाती है। नर्मदा नदी न केवल भौतिक रूप से जीवन देती है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन का भी स्रोत है।

नीट री-एग्जाम, 30 सेकंड लेट, छूटी परीक्षा

गेट पर गिड़गिड़ाते रहे छात्र-परिजन, कई छात्रों को नंगे पैर देना पड़ा एग्जाम, कलावा तक कटवाया

फोटो : प्रवीण वाजपेई

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर (नप्र)। मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए देश की सबसे बड़ी परीक्षा नीट-जी री-एग्जाम 2026 को लेकर मध्यप्रदेश में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के कड़े इंतजाम किए गए। भोपाल के 32 केंद्रों सहित प्रदेशभर में परीक्षा की जा रही है। जहां एक तरफ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखा।

वहीं, दूसरी तरफ कड़े नियमों और समय की पाबंदी के कारण कई केंद्रों पर भारी अफरा-तफरी और भावुक कर देने वाले नजारे देखने को मिले। एनटीए की गाइड लाइन के अनुसार, दोपहर 01.30 बजे परीक्षा केंद्रों के गेट पूरी तरह बंद कर दिए गए।

- **गिड़गिड़ाते रहे परिजन-** भोपाल के सरोजिनी सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय और पीएमश्री सेंट्रल स्कूल समेत कई केंद्रों पर कुछ छात्र महज 30 से 40 सेकंड की देरी से पहुंचे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। तीन छात्र गेट के बाहर खड़े होकर अधिकारियों से लगातार मिन्नतें करते रहे, पर नियम आड़े आ गए। परिजनों का आरोप था कि बाहर मार्गदर्शन की कमी के कारण रोल नंबर और रूम ढूंढ़ने में समय लग गया। उन्होंने मानसिक तनाव को देखते हुए 2-4 मिनट की छूट देने की मांग की, लेकिन मौके पर मौजूद एडिशनल एसपी ने साफ कहा- इन्हें अंदर भेजना मेरे हाथ में नहीं है।
- **गलत सेंटर पहुंचने से छूटी परीक्षा-** भोपाल और छतरपुर में कुछ छात्र गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। छतरपुर का एक छात्र 22 किलोमीटर दूर नौगांव के केंद्र की जगह शहर के ही स्कूल पहुंच गया था। जब तक वह बाइक से सही केंद्र पहुंचा, गेट बंद हो चुके थे।
- **नथ, कलावा उतरवाई, लोवर की चेन काटी-** री-नीट परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सुरक्षा जांच के हैरान करने वाले नियम दिखे। रीवा, गुना और सतना में अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर से चेकिंग की गई। चेन, धातु के बटन, कलावा और गहने बाहर ही उतरवा लिए गए। कई छात्रों की पैंट के लोहे के बटन और चेन तक हटवाए गए।
- **नंगे पैर दी परीक्षा-** सतना में एक छात्र के जूते जांच के दौरान बाहर रखवा दिए गए, जिसके बाद उसे नंगे पैर ही परीक्षा कक्ष में जाना पड़ा। वहीं, भोपाल में एक छात्रा को अपनी नाक की नथ और सतना में छात्राओं को कान के टॉप्स उतारने पड़े। पानी की बोतलों के रैपर भी हटवा दिए गए।
- **हॉस्टल में छूटा आधार कार्ड-** इंदौर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर में एक सकारात्मक तस्वीर भी सामने आई। यहां रिया नाम की एक छात्रा अपना आधार कार्ड हॉस्टल में ही भूल गई थी। वह गेट पर घबराकर रोने लगी।ड्यूटी पर तैनात पलासिया थाने की उपनिरीक्षक अभिरुचि ने तत्परता दिखाते हुए छात्रा के परिजनों से संपर्क किया और वॉट्सएप पर आईडी की कॉपी मंगवाई। सत्यापन के बाद छात्रा को प्रवेश मिल गया।
- **भोपाल में डिजिटल कॉपी स्वीकार नहीं की-** इसके विपरीत भोपाल के एक केंद्र पर एक अन्य छात्र भी अपना आईडी कार्ड भूल गया था, जिसने वॉट्सएप से कॉपी मंगवाई, लेकिन वहां सुरक्षा कर्मियों ने डिजिटल कॉपी स्वीकार नहीं की। छात्र को मूल कार्ड लाने के लिए वापस भागना पड़ा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. हेडगेवार की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक और प्रथम सरसंघचालक, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की पुण्यतिथि उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. हेडगेवार ने स्वयं-सेवकों में राष्ट्रीय चरित्र विकसित करने के ध्येय से संघ की स्थापना की और मां भारती के वैभव को अक्षुण्ण बनाए रखने में अतुलनीय योगदान दिया। राष्ट्र के लिए समर्पित डॉ. हेडगेवार का अनुशासित जीवन युवाओं को अनंतकाल तक प्रेरित करता रहेगा।

12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम लोकभवन में मना

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के उद्बोधन का हुआ सजीव प्रसारण

राज्यपाल श्री पटेल ने वीडियो संदेश में कहा : योग से होता है जीवन सकारात्मक

भोपाल (नप्र)। बारहवाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम रविवार को लोकभवन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के वीडियो संदेश का प्रसारण इसके पूर्व किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने योग गुरु श्री राजीव जैन त्रिलोकी को पुष्प-गुच्छ एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

योग स्वस्थ समाज निर्माण की आधारशिला – राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने वीडियो संदेश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज संपूर्ण विश्व ने अपनाया है। इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग बढ़ती उम्र में भी लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ, सक्रिय तथा आत्मनिर्भर बनाए रखने का संदेश देना है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित करने का समग्र एवं वैज्ञानिक माध्यम है। वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रभावी साधन बनकर उभरा है। कोविड-19 महामारी ने भी यह सिद्ध किया है कि स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी संपत्ति है। योग स्वस्थ समाज निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। प्रदेश में योग एवं आयुर्वेद का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में योग को प्रोत्साहित कर नई पीढ़ी को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाकाल और ओंकारेश्वर समेत प्रमुख मंदिरों की दान व्यवस्था होगी ऑनलाइन

उज्जैन (नप्र)। अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान राशि और चढ़ावे को लेकर खड़े हुए हालिया विवाद के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की दान और प्रबंधन व्यवस्था को ज्यादा सुरक्षित तथा पारदर्शी बनाने की पूरी तैयारी कर रही है। इसके तहत देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुव्यवस्थित मंदिरों के मॉडल का अध्ययन किया जाएगा, जिसके बाद उज्जैन के बाबा महाकाल और खंडवा के ओंकारेश्वर सहित सूबे के सभी बड़े देवस्थानों में नई पारदर्शी प्रणाली लागू की जाएगी।

विशेषज्ञ समिति करेगी व्यवस्थाओं का अध्ययन

ओंकारेश्वर प्रवास के दौरान धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने इस नई योजना का खाका सामने रखा। उन्होंने साफ कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा पूरी श्रद्धा से चढ़ाए गए दान और चढ़ावे का पारदर्शी प्रबंधन करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।इसके लिए बहुत जल्द एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाएगा।यह समिति देश के उन बड़े और वीआईपी मंदिरों का दौरा करेगी जहां का प्रबंधन आधुनिक और बेदाग है।समिति की रिपोर्ट के आधार पर ही मध्य प्रदेश के मंदिरों के लिए एक कस्टमाइज्ड कार्ययोजना तैयार होगी।धर्मस्व मंत्री के मुताबिक श्रद्धालुओं के अटूट विश्वास और आस्था की रक्षा करना शासन की पहली नैतिक जिम्मेदारी है।नई व्यवस्था में कैश लेनदेन को कम कर ऑनलाइन और डिजिटल मोड को अनिवार्य स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा।

महाकाल और ओंकारेश्वर में मौजूदा स्थिति

वर्तमान व्यवस्था की बात करें तो ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में दान पेटियों को खोलने का काम पूरी तरह प्रशासनिक अधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों की संयुक्त मौजूदगी में तय तारीखों पर होता है। इस पूरी प्रक्रिया की बकायदा वीडियोग्राफी कराई जाती है। इसके अलावा शीघ्र दर्शन के जरिए मिलने वाली पूरी राशि सीधे ऑनलाइन खाते में ट्रांसफर होती है। वहीं, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में नकद राशि के साथ-साथ ऑनलाइन और क्यूआर कोड से दान लेने की पुख्ता व्यवस्था है। यहां भेंट पेटियों से निकलने वाले कैश को पारदर्शी कांच के कमरों में सीसीटीवी कैमरों के सीधे पहरे के बीच गिना जाता है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का 36वां दीक्षांत समारोह आयोजित

भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

- **डिग्री को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम बनाएं विद्यार्थी : राज्यपाल**
- **रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थान नहीं, वीरांगना रानी दुर्गावती के स्वाभिमान और बलिदान की गौरवशाली परंपरा का है प्रतीक : मुख्यमंत्री**

फोटो : प्रवीण वाजपेई

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच के विकास के प्रमुख केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना भी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु रविवार को जबलपुर में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहीं थी।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये और उपाधियों का वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वार्ण पदकों का वितरण किया गया। साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की। मंचीय कार्यक्रम के पूर्व महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विश्विविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जबलपुर विश्वविद्यालय का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर होना गर्व का विषय है। रानी दुर्गावती वीरता, साहस, शौर्य और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं और नारी शक्ति के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगी।

रानी दुर्गावती आज भी जनजातीय समुदाय सहित देश की प्रत्येक बेटी और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र-राज्यपाल: राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह का राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होना हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने अमर वीरांगना महारानी रानी दुर्गावती को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन जनजातीय अस्मिता, प्रजा कल्याण, नारी शक्ति, त्याग, पराक्रम, नेतृत्व क्षमता और आत्मगौरव का अमर संदेश है। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती आज भी जनजातीय समुदाय सहित देश की प्रत्येक बेटी और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा कि उनकी डिग्री केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण, नवाचार और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने वाली शक्ति है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में प्राप्त करेगा नई ऊंचाइयां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को और अधिक गौरवशाली बना दिया है। यह अवसर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है।

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भोपाल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कंपनी मुख्यालय स्थित आस्था परिसर में एक विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग कार्यक्रम में सभी ने उत्साहपूर्वक योगासनों का अभ्यास किया और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निदेशक (वाणिज्य एवं तकनीकी) श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रशासन एवं पीजीआर) श्री दीपक चौरासे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए. के. गोयल सहित बड़ी संख्या में कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) डॉ. राकेश शर्मा ने योग दिवस कार्यक्रम में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारता है, बल्कि मानसिक तनाव को दूर कर कार्यक्षमता में भी वृद्धि करता है। यह अनुशासित जीवन जीने और कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।